सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बना दिया ये बड़ा रिकॉर्ड- पेज: 7

महेश बाबू ने फिल्म जटाधारा का ट्रेलर लॉन्च किया -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 196 | शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

क्या कर्नाटक में सतीश जारकीहोली होंगे सिद्धारमैया के उत्तराधिकारी?

–बेटे यतिंद्र सिद्धारमैया ने कहा– पिता राजनीतिक करियर के 'अंतिम पड़ाव' पर

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की सियासत में बुधवार को हलचल मच गई। सीएम सिद्धारमैया के बेटे और विधान परिषद सदस्य यतिंद्र सिद्धारमैया ने कहा कि उनके पिता अपने राजनीतिक करियर के 'आखिरी पड़ाव' पर हैं और कांग्रेस को अब लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली को आगे ले जाना चाहिए। यतींद्र ने कहा कि मेरे पिता अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम दौर में हैं। कांग्रेस को आगे लाने की जिम्मेदारी सतीश जारकीहोली जैसे नेताओं को लेनी चाहिए, जो सामाजिक न्याय और प्रगतिशील विचारधारा में विश्वास रखते हैं।

सतीश जारकीहोली को सीएम सिद्धारमैया का बहुत ही वफादार माना जाता है। वे डीके शिवकुमार के पुराने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भी रहे हैं। जारकीहोली के नाम का इस वक्त उत्तराधिकारी के तौर पर उभरना इस बात का संकेत है कि सिद्धारमैया गुट आने वाले समय में अपनी विचारधारा और 'आहिंदा' यानी अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और दलित राजनीति की विरासत को बनाए रखने के लिए नया चेहरा तैयार कर रहा है।

सतीश जारकीहोली इस समय कर्नाटक के लोक निर्माण मंत्री हैं और यमकनमर्दी विधानसभा सीट से विधायक हैं। वे अनुसूचित जाति के वाल्मीकि समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और लंबे समय से सामाजिक न्याय और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए काम करते रहे हैं। वे सीएम सिद्धारमैया के बनाए 'आहिंदा गठबंधन' का एक अहम हिस्सा माने जाते हैं। 'आहिंदा' शब्द की अवधारणा सबसे पहले पूर्व सीएम देवराज ने दी थी, लेकिन इसे आधुनिक रूप में पुनर्जीवित करने का श्रेय सिद्धारमैया को जाता है। जारकीहोली उसी राजनीतिक धारा से आते हैं, जिससे सिद्धारमैया ने अपनी सियासी ताकत गढ़ी।

सतीश जारकीहोली उत्तर कर्नाटक के बेलगावी जिले के प्रभावशाली राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके परिवार की राजनीति में गहरी जड़ें हैं। उनके भाई रमेश जारकीहोली कभी कांग्रेस में थे, लेकिन 2018 में बीजेपी ज्वाइन कर ली थी और मंत्री बने। वे फिलहाल बीजेपी के विधायक हैं। वहीं सतीश की बेटी प्रियंका जारकीहोली कांग्रेस की चिक्कोडी से सांसद हैं।

यतींद्र सिद्धारमैया का बयान भले ही उन्होंने बाद में 'गलतफहमी' बताते हुए साफ कर दिया कि उनका मतलब नेतृत्व परिवर्तन से नहीं था, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे डीके शिवकुमार के लिए चेतावनी माना जा रहा है। सिद्धारमैया गुट के नज़दीकी लोगों का मानना है कि सीएम अपने 'आहिंदा मॉडल' की राजनीति को बनाए रखने के लिए किसी ऐसे नेता को आगे बढ़ाना चाहते हैं, जो सामाजिक न्याय के उस एजेंडे को आगे ले जा सके और जारकीहोली इस प्रोफाइल में पूरी तरह फिट बैठते हैं।

दूसरी ओर वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले डीके शिवकुमार लंबे समय से सीएम पद के

दावेदार माने जाते हैं, लेकिन अब जब सिद्धारमैया के बेटा यतींद्र खुद किसी और को 'उत्तराधिकारी' बताने लगे, तो यह संकेत साफ है कि सत्ता की यह जंग आने वाले महीनों में और तेज हो सकती है। अब देखना यह होगा कि क्या सच में जारकीहोली कर्नाटक की राजनीति में सिद्धारमैया की विरासत संभालने वाले बनते हैं या फिर डीके शिवकुमार अपनी राजनीतिक ताकत से फिर बाज़ी पलटते हैं।

पुष्कर मेला 2025 की शुरुआत... मेले में पहुंचे 2 से 11 लाख रुपए तक के घोड़े

अजमेर (एजेंसी)। राजस्थान के अजमेर जिले में मशहूर पुष्कर मेला 2025 की शुरुआत बुधवार से हो गई। मेला में आने वाले श्रद्धालुओं व टूरिस्ट की संख्या दूसरे दिन से बढ़ने लगी है। अब तक मेले में घोड़ों की संख्या नाम मात्र की है, वहीं ऊंट की संख्या दौ सौ के पार हो चुकी है। बरेली से आए जुबैद ने बताया कि वे मेले में 11 घोड़े लेकर आए हैं। इन घोड़े की कीमत 2 से 11 लाख रुपए तक है। बता दें कि मेले की विधिवत शुरुआत 30 अक्टूबर को ध्वजारोहण के साथ होगी। तीन चरणों में होने वाले मेले में पशु मेला, सांस्कृतिक कार्यक्रम और धार्मिक मेला शामिल हैं। ये मेला 6 नवंबर तक होगा। वहीं मेला के अदंर दुकानें सज चुकी है और देसी-विदेशी सैलानी भी मेला क्षेत्र पहुंच रहे हैं। पशुओं की लगातार आवक बनी हुई है। बालू रेत से बनाई गई कलाकृतियां लोगों को लुभा रही है। पुष्कर के बाजारों, सरोवर के घाटों व ब्रह्मा मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भीड़ है। 1 से 5 नंवबर तक श्रद्धालुओं व टूरिस्ट की भीड़ बढ़ने की उम्मीद है। इसके बाद वन वे ट्रैफिक प्लान तैयार है।

हैदराबाद में गौ तस्करों ने गौ रक्षक को गोली मारी... गोली मारने वाला एआईएमआईएम से जुड़ा

-बीजेपी नेता माधवी लता का आरोप, पुलिस बचाने में लगी हुई

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद के घाटकेसर में गौ तस्करों ने एक गौ रक्षक को गोली मार दी। घायल व्यक्ति का नाम प्रशांत उर्फ सोनू है। उसके परिवार ने बताया कि वे 5-6 सालों से गौ रक्षा का काम कर रहा है। तेलंगाना बीजेपी नेताओं ने दावा किया कि सोनू पर हमला गायों के तस्करी को रोकने की कोशिश के दौरान हुआ। बीजेपी नेता माधवी लता ने एआईएमआईएम पर हमले का आरोप लगाकर फौरन कार्रवाई की मांग की है। पुलिस के मुताबिक, कुछ लोगों ने सोनू को गाय की तस्करी होने की झूठी खबर देकर आईटी कॉरिडोर बुलाया पर वहां पहुंचे ही उस पर फायरिंग कर दी गई। पुलिस ने मामले में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया है। सोनू के लिवर में गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत गंभीर है। बीजेपी सांसद ईटाला राजेंद्र ने बताया कि गोली मारने वाले की पहचान इब्राहिम के रूप में हुई है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि यह हमला औवेसी के गुंडों ने बीजेपी और संघ कार्यकर्ताओं को डराने के लिए किया। सोनू की मां ने कहा कि मेरा बेटा जिंदगी और मौत से लड़ रहा है। मैं गोरक्षा के लिए 10 और बेटे कुर्बान कर दूंगी। सरकार अपराधी को गिरफ्तार करे। सोनू की मां ने कहा कि वह अपने बेटे के लिए न्याय चाहती है। वहीं बीजेपी नेता माधवी लता ने कहा कि आरोपी एआईएमआईएम से जुड़ा है और पुलिस दोषियों को बचा रही है। मैं मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को चुनौती देती हूं कि वह सोनू को न्याय दिलाएं।

कपड़ा व्यापारी से अभद्रता करने और सड़क पर नाक रगड़वाने वाले बीजेपी नेता पार्टी से निष्कासित

मेरठ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मेरठ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष विकुल चपराणा पर एक कपड़ा व्यापारी सत्यम रस्तोगी से अभद्रता करने और सड़क पर नाक रगड़वाकर माफी मंगवाने का आरोप लगा है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। घटना 19 अक्टूबर की रात मेरठ के तेजगढ़ी चौराहे पर एक रेस्तरां के बाहर वाहन पार्क करने को लेकर व्यापारी सत्यम रस्तोगी और भाजपा नेता चपराणा के बीच विवाद हुआ। इसके बाद विकुल ने व्यापारी से जबरन नाक रगड़वाकर माफी मंगवाई। यह पूरा घटनाक्रम वीडियो में कैद हो गया और इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया। भाजपा किसान मोर्चा ने विकुल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें सभी पदों से हटा दिया और उनकी प्राथमिक सदस्यता भी निलंबित कर दी। क्षेत्रीय अध्यक्ष तेजा गुर्जर ने पार्टी की मर्यादा और अनुशासन के विरुद्ध तथा आपराधिक मानसिकता को दर्शाने वाला आचरण बताया। पुलिस ने विकुल के तीन सहयोगियों (हैप्पी भड़ाना, आयुष शर्मा और सुबोध यादव) को गिरफ्तार कर लिया। विकुल को भी गिरफ्तार किया गया था लेकिन बाद में अदालत से जमानत मिल गई। मामले में मार्ग अवरुद्ध करने और वाहन में तोड़फोड़ करने की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने घटना की जांच एसपी (नगर) को सौंपी है। विपक्षी दलों, जिसमें समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस शामिल हैं, ने इस घटना को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर के इस्तीफे की मांग की है, जिनका नाम विकुल ने वीडियो में लिया था। सपा के नेताओं और मेरठ व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष जीतू सिंह नागपाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने प्रदर्शन किया है। व्यापारियों ने सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की ताकि व्यापारी वर्ग में भय का वातावरण समाप्त हो सके। सपा नेताओं ने आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लगाने की मांग की है।

बच्चों को पटाखे फोड़ने से मना किया, नहीं माने तो उड़ेल दिया तेजाब, 5 झुलसे, 1 गंभीर

हरिद्वार (एजेंसी)। दीपावली की रात एक शख्स ने पटाखे फोड़ रहे बच्चों को मना किया। नहीं माने तो गुस्से में आकर उसने तेजाब (कोई ज्वलनशील) पदार्थ बच्चों के ऊपर फेक दिया। पांच बच्चे इसकी चपेट में आ गए और बुरी तरह झुलस गए जिनमें से एक की हालत गंभीर है। मामला भिक्कमपुर जीतपुर गांव का है। गुस्साए लोगों ने आरोपी को पकड़कर पिटाई कर दी और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। कोतवाल राजीव रौथाण ने बताया कि आरोपी के खिलाफसंबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात करीब नौ बजे गांव के 14 से 15 वर्ष के लगभग दस-पंद्रह बच्चे दीपावली की आतिशबाजी कर रहे थे। उसी दौरान पास में रहने वाले गोवर्धन उर्फदिलेराम पुत्र मुकुंदाराम ने उन्हें पटाखे चलाने से मना किया। बताया जा रहा है कि बच्चों के न मानने पर आरोपी ने गुस्से में आकर अपने घर की छत से एक केन में भरा ज्वलनशील पदार्थ नीचे फेंक दिया, जो बच्चों पर गिर गया। अचानक आग लगने जैसी स्थिति से अफ्रातफ्री मच गई। राहुल व दीपक पुत्रगण शेर सिंह, सौरभ पुत्र बहादुर, पंकज पुत्र बालेश और विशाल पुत्र लाहौर सिंह झुलस गए।

कोलकाता से श्रीनगर जा रही इंडिगो फ्लाइट की वाराणसी में इमरजेंसी लैंडिंग, 166 यात्री सुरक्षित

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी एयरपोर्ट पर बुधवार शाम इंडिगो एयरलाइंस के एक विमान की आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। यह विमान कोलकाता से श्रीनगर जा रहा था। उड़ान के दौरान अचानक फ्यूल लीक होने की सूचना मिलने पर पायलट ने 'मेडे कॉल' जारी करते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से तुरंत इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। घटना के समय विमान लगभग 36 हजार फीट की ऊंचाई पर था। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार, पायलट ने वाराणसी एयरस्पेस में प्रवेश करते ही एटीसी को बताया कि विमान में तकनीकी खराबी आने से फ्यूल लीक हो रहा है और इंजन रेड सिग्नल दिखा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एटीसी ने तत्काल कार्रवाई की और रनवे को क्लियर कराया। मात्र चार मिनट के भीतर आपात लैंडिंग की सभी तैयारियां पूरी कर ली गईं। पायलट ने शाम के करीब 4~10 बजे विमान को सुरक्षित रूप से रनवे पर उतार दिया। विमान में 166 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। इमरजेंसी टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। यात्रियों को एअरपोर्ट के अराइवल हॉल में बैठाया गया, जबकि तकनीकी टीम ने विमान की जांच शुरू कर दी। सुरक्षा कारणों से विमान को करीब दो घंटे तक एप्रन (पार्किंग क्षेत्र) पर ही खड़ा रखा गया। इंडिगो एयरलाइंस ने बयान जारी कर बताया कि ÷वाराणसी एयरपोर्ट पर फ्लाइट 6ई-6961 को तकनीकी कारणों से लैंड कराना पड़ा। सभी यात्री सुरक्षित हैं। यात्रियों को श्रीनगर भेजने के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की जा रही है। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि आपात लैंडिंग की प्रक्रिया पूरी तरह से नियंत्रित और सुरक्षित रही। एयरपोर्ट की फायर ब्रिगेड, मेडिकल और टेक्निकल टीम को तुरंत अलर्ट कर दिया गया था। विशेषज्ञों का कहना है कि पायलट की त्वरित कार्रवाई और एटीएस की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया।

दिल्ली में दिवाली के बाद वायु गुणवत्ता सबसे खराब दौर में... आर्टिफिशियल बारिश के लिए नहीं मिल रहे बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में दिवाली के बाद एयर क्वालिटी में तेजी से खराब हुई है। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता गुरुवार को भी बेहद खराब बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, सुबह 6 बजे दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 353 दर्ज किया गया। कई इलाके रेड जोन में हैं।

अक्षरधाम मंदिर के पास विजिबिलिटी सबसे कम थी। यहां ज्यादातर इलाकों में सुबह के समय स्मॉग छाया रहा। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में एक्यूआई 300 से 400 के बीच रहा। यानी हवा की क्वालिटी बहुत खराब से गंभीर स्तर पर है।

सबसे खराब स्थिति आनंद विहार में थी, जहां सुबह 5~30 बजे एक्यूआई 511 तक पहुंच गया। हेल्थ एक्सपर्ट ने सलाह दी है कि जब तक एक्यूआई मीडियम लेवल पर न आए, दिल्ली-एनसीआर में बाहर की गतिविधियां सीमित रखें। आठ महानगरों में दिल्ली का एक्यूआईसबसे खराब रहा।

बेंगलुरु और चेन्नई में एक्यूआई 70 से नीचे रहा, जबकि अहमदाबाद और मुंबई में सुबह एक्यूआई 110 दर्ज किया गया। वहीं, दिल्ली में आर्टिफिशियल बारिश का ट्रायल फिर अटक गया है। जुलाई में शुरू होने वाला यह प्रयोग अब तक नहीं हो पाया है,क्योंकि मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, जरूरी बादल मौजूद नहीं हैं। वहीं दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि जैसे ही बादल मिलते हैं, तुरंत ट्रायल किया जाएगा। सभी मंजूरियां, फंड और विमान की व्यवस्था कर ली गई है।

अगले माह से पूरे देश में शुरु होगा गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। गहन मतदाता पुनरीक्षण(एसआईआर) अभियान को लेकर बिहार में जमकर विरोध हुआ था। इस पर जमकर राजनीति हुई और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था। अदालत की ओर से एसआईआर को क्लीन चिट दी गई और कहा गया कि यह थोड़ा पहले किया जा सकता था। अब इसी बात से सबक लेते हुए चुनाव आयोग नवंबर की शुरुआत से ही देशव्यापी एसआईआर शुरू करने जा रहा है। इसके तहत सबसे पहले उन राज्यों में एसआईआर होगा, जहां 2026 में ही चुनाव होने वाले हैं। इसके अलावा भी कुछ अन्य राज्यों में भी एसआईआर शुरुआती दौर में ही होगा।

असम में तो एनआरसी भी हो रही है। असम के निर्वाचन आयोग का कहना है कि एक बार एनआरसी होने के बाद राज्य में एसआईआर भी हो जाएगी। असम देश का इकलौता राज्य है, जहां एनआरसी हुआ है। ऐसे में यह भी हो सकता है कि एनआरसी पूरा होने का इंतजार हो और असम में एसआईआर में थोड़ी देरी हो जाए। आगामी राष्ट्रव्यापी प्रक्रिया के लिए चुनाव आयोग मतदाताओं को केवल उस राज्य की ही नहीं, बल्कि किसी भी राज्य की अंतिम गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची से अपने नामों के अंश प्रस्तुत करने की अनुमति दे सकता है, जहां वे वर्तमान में रहते हैं। बिहार एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता केवल बिहार की अंतिम गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची से ही अंश प्रस्तुत कर सकते थे।दूसरे शब्दों में मुंबई में मतदाता के रूप में पंजीकृत पश्चिम बंगाल का कोई प्रवासी श्रमिक महाराष्ट्र में नामांकित रह सकता है, बशर्ते वह अपना नाम दिखा सके। इसके अलावा वह किसी ऐसे मतदाता से संपर्क स्थापित कर सके, जिसका नाम 2002 की पश्चिम बंगाल मतदाता सूची में शामिल हो। पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची का अंतिम गहन पुनरीक्षण 2002 में हुआ था और उस मतदाता को उस राज्य की मतदाता सूची में बने रहने के योग्य माना जाएगा, जहां वह वर्तमान में रह रहा है। बता दें कि चुनाव आयोग की दो दिन की कॉन्फ्रेंस बुधवार से शुरू हुई है। इसमें यह आकलन भी किया गया कि देश में एसआईआर की प्रक्रिया के लिए कितनी और कैसी तैयारी है। इसकी रिपोर्ट सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन आयुक्तों की ओर से पेश की गई। पूरा प्लान कॉन्फ्रेंस के समापन पर बताया

जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार एसआईआर की प्रक्रिया देशव्यापी होगी, लेकिन इसे चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। पहले इसे असम, केरल, पुदुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में किया जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि इन राज्यों में अगले साल ही चुनाव होने हैं।

लकी अली ने तंज कसते हुए मांगी माफी, कहा- राक्षसों की भी भावनाएं हो सकती हैं

मुंबई (एजेंसी)। देश के ख्याति प्राप्त गीतकार जावेद अख्तर अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। बीते दिनों जावेद अख्तरएक पुराने वीडियो को लेकर सुर्खियों में आए थे। इस वीडियो क्लिप में जावेद अख्तर कहते दिख रहे थे, शोले में एक सीन था जिसमें धर्मेंद्र शिवजी की मूर्ति के पीछे छिपकर बोलते हैं और हेमा मालिनी सोचती हैं कि शिव जी उनसे बात कर रहे हैं। क्या आज भी ऐसा सीन हो सकता है? नहीं, मैं आज ऐसा सीन नहीं लिखूंगा मैंने कहा था, मुसलमानों जैसे मत बनो उन्हें अपने जैसा बनाओ। तुम मुसलमानों जैसे बन रहे हो यह एक त्रासदी है। जावेद अख्तर के इसी वीडियो क्लिप के के नीचे लकी अली के आधिकारिक अकाउंट से कमेंट है, जावेद अख्तर की तरह

मत बनो, वह कभी ओरिजिनल नहीं थे और बहुत गंदे हैं। लकी अली के नाम से ऐसा कमेंट देखकर कई लोग हैरान हुए थे। इसी कमेंट के बाद विवाद को बढ़ता देख लकी अली ने माफी मांगी।

बता दें एक सोशल मीडिया यूजर ने उनकी आलोचना की थी, जिसमें वो हिंदुओं से मुसलमानों जैसा न बनने की अपील करते नजर आ रहे थे। यूजर के इसी वीडियो पर अली अली का शॉकिंग कमेंट नजर आया था। ऐसे में अब लकी अली ने अपने कमेंट के लिए माफी मांगी है। जावेद अख्तर के वीडियो पर लकी अली का कमेंट वायरल होने के बाद उन्होंने गीतकार से माफी मांगी। लकी अली ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, मेरा मतलब था कि अहंकार बुरा होता है... यह मेरी ओर से एक गलत बयान था... राक्षसों की भी भावनाएं हो सकती हैं और अगर मैंने किसी की दुष्टता को ठेस पहुंचाई है तो मैं माफी मांगता हूं...। लकी अली का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अब इस पर भी यूजर्स के जबरदस्त कमेंट्स आ रहे हैं।

दक्षिण भारत में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित, हिमाचल में बर्फबारी पारा शून्य के नीचे

–स्कूल–कॉलेज बंद, फसलें बर्बाद, रेड अलर्ट जारी

चेन्नई, (एजेंसी)। दक्षिण भारत में पूर्वोत्तर मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है, जिससे तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जबकि उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है।

तमिलनाडु में लगातार हो रही बारिश से स्थिति गंभीर बनी हुई है। चेन्नई सहित कई जिलों में सड़कों पर पानी भर गया है। प्रशासन ने गुरुवार को भी सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने राज्य में साइक्लोन की आशंका जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। बाढ़ के चलते राज्य के कई इलाकों में फसलें बर्बाद हो गई हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अब तक 16 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि जलमग्न हो चुकी है और लगभग 33 प्रतिशत फसल को नुकसान पहुंचा है। राज्य सरकार ने प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की घोषणा की है।

वहीं, केरल में भी हालात गंभीर हैं। भारी बारिश और तेज हवाओं के चलते बुधवार को इडुक्की, पलक्कड़, मलप्पुरम और पथनमथिट्टा जिलों में सभी स्कूल-कॉलेज बंद रखे गए। इडुक्की के पहाड़ी इलाकों में रात के समय यात्रा पर रोक लगा दी गई है। राज्य सरकार ने जिला प्रशासन को बाढ़, भूस्खलन और जलभराव की स्थिति पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन बल (एसडीआरएफ) को हाई अलर्ट पर रखा गया है। आंध्र प्रदेश में भी तेज बारिश के कारण हालात बिगड़ रहे हैं। इससे पहले तिरुपति में बुधवार को 2-3 फीट तक पानी भर गया था। मौसम विभाग ने प्रकाशम, नेल्लोर, कडप्पा, अन्नमय्या, तिरुपति और चित्तूर जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि कुरनूल, नांदयाल, अनंतपुर और श्री सत्यसाई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

दूसरी ओर, हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति और मनाली में बर्फबारी से सर्दी बढ़ गई है। लाहौल-स्पीति के टैबो में न्यूनतम तापमान माइनस 0.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा। मनाली में 12 मिमी, भरमौर में 11.5 मिमी और कीलॉन्ग में 6 मिमी बर्फबारी दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, तंजावुर, तिरुवारुर, नागपट्टिनम और कारैकल में भी रेड अलर्ट जारी किया है। चेन्नई निगम ने राहत कार्यों के लिए 106 सामुदायिक रसोइयां शुरू की हैं।

लव जिहाद के खिलाफ असम में बनेगा कानून, बहुविवाह पर कसेगा शिकंजा: सीएम सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में लव जिहाद पर लगाम लगाने के लिए कानून तैयार किया जा रहा है साथ ही बहु विवाह जैसी परंपराओं पर भी शिकंजा कसने की तैयारी चल रही है। इसके लिए आगामी विधानसभा सत्र में बिल लाने की तैयारी की जा रही है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार अगले सत्र में इन दोनों पर विधेयक पेश करने जा रही है। सीएम सरमा ने बताया, अगला विधानसभा सत्र ऐतिहासिक होगा क्योंकि कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए जाएंगे। बहुविवाह और लव जिहाद पर प्रतिबंध के साथ-साथ हमारे सत्रों का संरक्षण, चाय बागानों के श्रमिकों को भूमि अधिकार देने सहित अन्य विधेयक शामिल हैं।

मुख्यमंत्री सरमा ने बताया, इस विधेयक के तहत एक आयोग स्थापित किया जाएगा, जो सत्र भूमि को अतिक्रमण और विवादों से बचाएगा, पारदर्शी शासन के माध्यम से और विरासत पर्यटन व सत्र कला के माध्यम से सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा। विधेयक के अनुसार आयोग के तहत सत्रों की सांस्कृतिक विरासत को

डिजिटल संग्रह के माध्यम से सुरक्षित किया जाएगा, जिसमें भूमि, कलाकृतियां और पांडुलिपियों का विवरण होगा, जिससे वैश्विक स्तर पर उनकी पहुंच और संरक्षण सुनिश्चित होगा। उन्होंने आगे कहा, अगले विधानसभा सत्र में हम लव जिहाद, बहुविवाह और सत्र संरक्षण के खिलाफ कई नए विधेयक लाएंगे। चाय बागानों के श्रमिकों के भूमि अधिकारों पर चर्चा के साथ ही और भी कई विधेयक पेश किए जाएंगे। असम कैबिनेट ने पहले ही असम सत्र संरक्षण और विकास बोर्ड विधेयक, 2025 को मंजूरी दी है। यह एक निकाय होगा, जिसका उद्देश्य सत्रों और उनके भूमि-संपत्ति का संरक्षण, प्रबंधन, रखरखाव और सतत विकास सुनिश्चित करना है। असम के सत्र वैष्णव मठ हैं, जो धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जीवन के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इनकी स्थापना 16वीं सदी में हुई थी। आयोग का अध्यक्ष हाईकोर्ट से सेवानिवृत्त न्यायाधीश होंगे। सदस्य सचिव भूमि अधिग्रहण और सुधार निदेशक, असम होंगे। इसके अलावा, दो सदस्य राज्य सरकार द्वारा नामांकित सत्र संस्थानों के प्रतिनिधि होंगे और एक सदस्य भूमि प्रशासन में अनुभवी सेवानिवृत्त सिविल सेवा अधिकारी (सचिव स्तर या उससे ऊपर) होगा।

खुशखबरी: अग्निवीरों को सेना की भर्ती में मिल सकता है 75 पर्सेंट आरक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना में भर्ती सपना अग्निवीरों का आसानी से पूरा हो सकेगा। इसके लिए आने वाले समय में उन्हे 75 प्रतिशत आरक्षण मिल सकता है। इस स्कीम के तहत अब तक 25 फीसदी जवानों को ही 4 साल के कार्यकाल के बाद भी नौकरी में बनाए रखने का प्रावधान है। अब इस लिमिट में बड़ा इजाफा हो सकता है और इसे 75 फीसदी तक किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक इस संबंध में जैसलमेर में आज आयोजित होने वाली आर्मी कमांडर्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी इसके बारे में कोई निर्णय हो सकता है। अहम बात यह है कि अगले साल ही अग्निवीरों के पहले बैच के 4 साल की अवधि पूरी हो रही है। ऐसे में इन लोगों को फायदा मिल सकता है और 75 फीसदी लोगों की सेना में सेवा बरकरार रहेगी।

अब इन लोगों की भागीदारी को बढ़ाने पर भी विचार होगा। मौजूदा सैनिकों के कल्याण के लिए भी कुछ फैसले लिए जा सकते हैं। सबसे अहम मसला यह होगा कि कैसे तीनों सेनाओं के बीच समन्वय बने और जॉइंट कमांड में काम हो सके। कोलकाता में बीते महीने कंबाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ था। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी भी पहुंचे थे। उस मीटिंग में सरकार की ओर से ऐलान हुआ था कि तीन जॉइंट मिलिट्री स्टेशन बनेंगे। इसके अलावा आर्मी, नेवी और एयरफोर्स की शैक्षणिक शाखाओं का विलय किया जाएगा। यदि कोई हमला होता है या कोई ऑपरेशन करना है तो भारतीय बल कितनी देर में तैयार हो सकते हैं। हथियारों या विमानों की रिपेयर में कितना टाइम लग सकता है। इन मसलों पर भी आज बात होगी।

बता दें कि मई में भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ ऐक्शन लेते हुए पाक में सक्रिय आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर किया था। उसके बाद आज पहली बार आर्मी कमांडर्स की कॉन्फ्रेंस होने वाली है। इस कॉन्फ्रेंस में सेना की टॉप लीडरशिप तमाम मसलों पर बात करती है और प्रमुख मुद्दा सुरक्षा की समीक्षा होता है। एक और विषय पर विचार हो सकता है कि सेना के पास रिटायर सैनिकों का एक बड़ा पूल है। इनकी सेवाओं का कैसे प्रयोग किया जा सकता है। इस पर भी विचार होगा। फिलहाल इन लोगों को आर्मी वेलफेयर एजुकेशन सोसायटी, एक्स सर्विसमेन कॉन्ट्रिब्यूटरी हेल्थ स्कीम में ही लगाया गया है।

संपादकीय

मलबे की तहों पर

डंपिंग पर वैज्ञानिक नीति बनाने की आवश्यकता और अदालत के आदेश को कार्यान्वित करने की मंशा से हिमाचल ने कुछ महकमों की उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। मलबा अपने चरित्र में विस्फोटक हो गया और नवनिर्माण का यह वाई प्रोडेक्ट शैतान हो गया। दरअसल आपदा और निर्माण से पहले अगर मलबे की शक्ल देख ली जाए, तो टनों के हिसाब से हमने अपनी बबार्दी का सामान एकत्रित किया है। प्राकृतिक और बरसाती आपदा का हर कारण, मलबे की तहों पर खड़ा है। ऐसा भी नहीं कि मलबा इस्तेमाल नहीं हो सकता या इसके सदुपयोग से नई सतह पर आविष्कार नहीं हो सकता, लेकिन पिछले तीन दशकों या यूं कहें कि जब से धरती को खोदने की मशीनें सक्रिय हुई हैं, हमने इसे अपनी ही परेशानी का सबब बना लिया। मलबा पावर प्रोजेक्ट व बड़े बांधों की तश्तरी में आकर पानी में उफान पैदा कर रहा है। मानवीय गतिविधियों के अतिक्रमण से प्राकृतिक जल निकास को बाधित कर रहा है। गलत शहरी और ग्रामीण विकास से चिन्हित मलबे ने कई कब्रगाह बना लिए हैं, तो जलापूर्ति और सीवरेज की गलत स्थापना ने आसपास मलबे की नींव खोद दी है। ऐसा भी नहीं है कि सारा मलबा विकास ही पैदा कर रहा है। वनों के साम्राज्य को बढ़ाते हुए भौगोलिक दृष्टि से पैदा होती घास, झाडि?ों और वनस्पति को रौंद कर उगाए गए चीड़ प्रजाति के पेड़ों ने जमीन को भस्मासुर बना दिया। लगातार गिरते पेड़ों को अगर वन महकमा हटाए तथा जंगल में जल निकासी को दिशा दिखाए, तो कम से कम इसकी वजह से शुरू हुआ ह्यमलबा आखेटह्न तो कम हो जाएगा। बेशक समिति की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूडी महकमा अपनी सडकों के किनारे मलबे की डंपिंग या हर अवरुद्ध मार्ग को खोलने के प्रयत्न में इसे गहरी खाई या नदी-नालों में सरका देने की छूट से परहेज करना होगा। सडकों को खोदते विभिन्न विभाग भी कम दोषी नहीं, लेकिन ग्रामीण व शहरी समाज की गतिविधियों पर अंकुश लगाने की परिपाटी अगर संबंधित विभाग नहीं बनाएंगे तो सारी बस्तियां एक दिन मलबा बन जाएंगी। टीसीपी एक्ट से भागते तमाम जनप्रतिनिधियों को भी बताना होगा कि जब किसी शहरी विकास योजना या ग्रीन बैल्ट के प्रतिबंध से हटा कर क्षेत्र मुक्त किए जाते हैं तो अंधाधुंध निर्माण अपने

चिंतन-मनन

भय को पहचानो

बहुत तरह के मानसिक भय हमें चारों तरफ से दबाए हुए हैं।उन्हें हमें पहचान लेना पड़ेगा।उन्हें हम बिना पहचाने छोड़ भी न सकेंगे।जिस भय को हम पहचान लेंगे, वह छूट जाएगा।लेकिन हम उन्हें पहचान नहीं पाते, नये-नये नाम दे देते हैं।और नाम धोखे के हैं।हम इतनी ज्यादा चालाकी में जिए हैं हजारों वर्षों में कि चीजों पर ठीक-ठीक नाम नहीं रहने दिये। हर डिब्बे पर नाम बदल दिया है। अंदर कुछ और है, ऊपर नाम कुछ और है।इसलिए खोज भी बहुत मुश्किल हो गई है कि कौन सी चीज कहां है। एक आदमी को हम कहते हैं- यह बहुत अच्छा आदमी है। और सौ अच्छे आदमियों में से अठानवे अच्छे आदमी अच्छे नहीं होते।सिर्फ डरे हुए लोग होते हैं और डर की वजह से अच्छे मालूम होते हैं।

मैं कहता हूं, मैं कभी चोरी नहीं करता।लेकिन अगर थोड़ी जांच-पड़ताल करूं तो पता चलेगा कि चोरी तो मैं भी करना चाहता हूं, लेकिन भय मुझे रोक लेता है।तब मैं अच्छा आदमी नहीं हूं, भयभीत आदमी हूं।लेकिन हम लेबल बदल देंगे। हमें पता ही नहीं चलता।एक आदमी कहता है, मैं बिल्कुल ईमानदार आदमी हूं। उसे थोड़ी जांच-पड़ताल करनी चाहिए कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि वह बेईमान है और भयभीत है। यानी बेईमान भय, ईमानदार आदमी हो गया।लेकिन क्या यह ईमानदार की परिभाषा हुई? अगर कल उसे पता चल जाए कि एक दिन के लिए सब कानून उठा लिए गये और सब पुलिसवालों को छुट्टी दे दी गई और एक दिन के लिए कोई अदालत नहीं है, तब उसकी सारी ईमानदारी चली गई।यानी वह अब ईमानदार नहीं है। अच्छा आदमी इसीलिए कमजोर है।अक्सर ऐसा होता है कि अच्छा आदमी कमजोरी की वजह से अच्छा आदमी होता है। और इससे उल्टा भी होता है कि बुरा आदमी अक्सर ताकत की वजह से बुरा हो जाता है।घर में एक बच्चा बिल्कुल गोबर गणोश हो तो मां-बाप कहेंगे-बहुत आज्ञाकारी है और दूसरा थोड़ा शक्तिशाली हो, तो कहेंगे- आज्ञा का उल्लंघन करता है, कहना मानता ही नहीं।लेकिन समझना जरूरी है कि गोबर-गणोश होना अच्छा होना नहीं है।हमने लेबल बदल कर लगाए हुए हैं। इसलिए जहां भय हैं वहां भी हम पकड़ नहीं पाते कि यह भय है।जहां हिंसा है, हिंसा पकड़ में नहीं आती।जहां घृणा है, घृणा पकड़ में नहीं आती।जहां प्रेम नहीं है, वहां पकड़ में नहीं आता।सब तरफ धोखा हो गया है।आदमी ने अपने भीतर की जो व्यवस्था की है, उसमें सब जगह गलत नाम लगा दिये हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

संयुक्त राष्ट्र संघः वैश्विक सामरिक सहयोग का एक महत्वपूर्ण स्तंभ

दिलीप कुमार पाठक

आज 24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र संघ का स्थापना दिवस है, आज के दिन लोगों को जानना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र संघ दुनिया को चलाने में अपनी भूमिका कैसे निभाता है। पूरी दुनिया के मुल्कों में शांति रहे सभी राष्ट्रों पर एक अंकुश रहे कोई मुल्क किसी दूसरे मुल्क पर अत्याचार न करे, कोई किसी राष्ट्र की सीमा पर कब्जा न करे, और पूरी दुनिया में आपसी सहयोग की भावना बढ़े ऐसे उद्देश्यों को लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की गई थी। परंतु आज के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो लगता है जैसे संयुक्त राष्ट्र संघ का प्रभाव कुछ कम हुआ है। लग रहा है जैसे पूरी दुनिया में उसकी पकड़ कमजोर होती जा रही है। रूस - यूक्रेन युद्ध, इजरायल - फि लीस्तीन युद्ध, अमेरिका की अनावश्यक दादागिरी, चाइना की भूमि विस्तार की नीतियां संयुक्त राष्ट्र संघ की सबसे बड़ी विफलताओं में गिना जा सकता है। बड़े - बड़े मुल्कों में संयुक्त राष्ट्र संघ के नियम नहीं चलते अमेरिका, रसिया, चाइना आदि मुल्कों के सामने संयुक्त राष्ट्र संघ बिल्कुल लाचार हो जाता है। यही कारण है कि आज संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना के 78 वर्ष बीत जाने के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका एवं उसके बदलते हुए परिदृश्य का अध्ययन करना जरूरी हो गया है।

1941 के अटलांटिक समझौते के तहत राज्यों को समानता और किसी भी प्रकार के शासन को चुनने की क्षमता प्रदान की गई थी। अटलांटिक समझौते के बाद तैयार किए गए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) घोषणापत्र पर 1942 में 26 देशों ने हस्ताक्षर किए थे। 1944 में डंबर्टन ओक्स में चीन, रूस, अमेरिका और इंग्लैंड द्वारा प्रस्तुत विचारों के आधार पर, जून 1945 में सैन फ्रांसिस्को में 50 देशों द्वारा संयुक्त राष्ट्र के दस्तावेज पर बातचीत की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना 24 अक्टूबर, 1945 को हुई थी। अपनी विभिन्न एजेंसियों की सहायता से, संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय शांति बनाए रखने, सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, पर्यावरण की रक्षा करने, मानवीय राहत में सहायता करने और महिलाओं और बच्चों के अधिकारों को बनाए रखने के लिए अपने प्रयासों को सिद्ध किया है। समझौते के बाद से, संयुक्त राष्ट्र संघ की सफलताओं के साथ असफलताएँ भी रही हैं, जैसे सैन्य युद्धों को न रोक पाना परिणामस्वरूप लाखों लोग मारे गए, घायल हुए और विस्थापित हुए। शीतयुद्ध के दौरान नाटो-वारसा दोनों गुटों में भयंकर सैनिक प्रतिद्वंद्विता चल रही थी, दोनों ही ओर से व्यापक परमाणु हथियार एकत्रित किए जा रहे थे। दुनिया एक बार फि र बड़े महायुद्ध के मुहाने पर खड़ी थी। ऐसा लगता था कि तीसरा महायुद्ध छिड़ जाएगा और परमाणु हथियारों के प्रयोग से यह इतना विनाशकारी सिद्ध होगा कि सारी दुनिया ही नष्ट हो जाएगी। साम्राज्यवादी देश दुनिया का विनाश करने पर उतारू थे। शीतयुद्ध के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी भूमिका को बखूबी निभा पाया था। वास्तव में संयुक्त राष्ट्र संघ ने निरस्त्रीकरण तथा विश्वशान्ति की काफी कोशिशें कीं। यही कारण है कि एक बड़े महायुद्ध का खतरा तो टल गया परन्तु छोटे-छोटे युद्ध दुनिया भर में होते रहे और आज भी हो रहे हैं जो किसी महायुद्ध से कम नहीं हैं। दुनिया भर में अगर कोई तीसरा महायुद्ध नहीं हुआ वो इसका महत्वपूर्ण कारण यह भी है कि महाशक्तियां भी यह जानती हैं कि अगर महायुद्ध छिड़ा तो सारी दुनिया नष्ट हो जाएगी जिससे वे भी नहीं बचेंगे। व्यापक निरस्त्रीकरण तथा परमाणु हथियारों को समाप्त करने का विमर्श छिड़ा हुआ है, इसके बावजूद संयुक्त राष्ट्र संघ दुनिया दुनिया के अनेक देशों को परमाणु हथियार बनाने से न रोक सका।

सफलता - असफलता किसी के साथ भी जुड़ी हुई होती हैं, परंतु संयुक्त राष्ट्र संघ आज भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह देशों को धन, कार्यक्रम और विशेष एजेंसियों की मदद प्रदान करता है। यूएनडीपी यानि संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम 141 देशों को सेवाएँ देता है, जिसका मुख्य लक्ष्य गरीबी उन्मूलन, असमानता और बहिष्कार को कम करना है। यह देशों को नीति निर्माण, संस्थागत क्षमता निर्माण और सतत विकास में मदद करता है। यूनिसेफ (संयुक्त राष्ट्र बाल कोष) बच्चों के अधिकारों और कल्याण को प्राथमिकता देता है। यह गरीबी, हिंसा, बीमारी और भेदभाव के खिलाफ काम करता है और बच्चों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में मदद करता है। संयुक्त राष्ट्र की प्रभावशीलता पर बहस हो सकती है, लेकिन इसके प्रयासों एवं अभी तक किए गए वैश्विक स्तर पर सकारात्मक सोच को भुलाया नहीं जा सकता।

दुनिया 21वीं सदी में भारी चुनौतियों के साथ प्रवेश कर चुकी है, और संयुक्त राष्ट्र को एक बेहतर और शांतिपूर्ण भविष्य के लिए मौजूद रहना होगा। संयुक्त राष्ट्र के तहत दुनिया अधिक स्थायी रूप से आगे बढ़ सकती है, इसलिए सभी हितधारकों को इस पर भरोसा करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र निरर्थक नहीं है और निकट भविष्य में नहीं होगा, क्योंकि यह महत्वपूर्ण समस्याओं पर लोकतांत्रिक तरीके से विमर्श करता है दुनिया को रास्ता भी दिखाता है। संयुक्त राष्ट्र ने अपने मूल सिद्धांतों और प्रक्रियाओं को बनाए रखते हुए नए कार्यों को जोड़ा है और सुधार किया है। इसने कई युद्धों को रोका है और मानवीय पीड़ा को कम किया है। यही कारण है कि तमाम विफलताओं के बावजूद भी संयुक्त राष्ट्र संघ पूरी दुनिया के लिए बेहद जरूरी है। सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र संघ को बनाए रखने के लिए साझा प्रयास करना चाहिए।

(लेखक पत्रकार हैं)

धन गुरु नानक सारा जग तारिया -आस्था,सेवा और उनकी अनंत ज्योति का विश्वव्यापी उत्सव

किशन सनमुखदास भावना

वैश्विक स्तरपर भारत की भूमि ऋषियों,संतों औरगुरुओं की तपस्थली रही है। यहाँ हर पर्व और परंपरा का एक गहन आध्यात्मिक अर्थ निहित है। इन्हीं अमूल्य परंपराओं में से एक है,सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी की जयंती से पहले मनाया जाने वाला कार्तिक प्रभात फेरी महोत्सव जो केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जीवंत आध्यात्मिक यात्रा है, जो समाज को सत्य, प्रेम, समानता और सेवा के पथ पर अग्रसर करती है। यह प्रभात फेरी 23 अक्टूबर से आरंभ होकर 5 नवंबर 2025 तक चलेगी, यह अवधि न केवल भक्तिभाव और सेवा का प्रतीक है,बल्कि सामाजिक जागरण और मानवता के समरसता संदेश की पुनः पुष्टि का अवसर भी है। पूरे कार्तिक मास की पवित्रता, अनुशासन और भक्ति की प्रतीक होगी। प्रभात फेरी का आरंभ कार्तिक मास के आरंभ (8 अक्टूबर) के बाद विशेष रूप से गुरु नानक जयंती की तैयारियों के साथ किया जाता है,और यह गुरु पर्व की पूर्णिमा (5 नवंबर) पर सम्पन्न होती है। इस अवधि में देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनियाँ में श्रद्धालु सुबह- सुबह कीर्तन, भजन, और सेवा के माध्यम से गुरु की शिक्षाओं को आत्मसात करते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र स्वयंम भी प्रभात फेरी में शामिल हुआ हूं और देखा हूंकि प्रातःकाल लगभग 3:30 या 4 बजे गुरुद्वारों से प्रारंभ होती है।श्रद्धालु संगत एकत्र होकर गुरु ग्रंथ साहिब के आगे मत्था टेकते हैं, और फिर 'कीर्तन सोहिला 'या' जपजी साहिब' का पाठ करते धन गुरु नानक, सारा जग तारिया,जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जय घोष करते हुए गाँव या नगर की गलियों से होकर गुजरते हैं। मार्ग में लोग अपने घरों के बाहर दीये जलाकर, फूलों से स्वागत कर इस यात्रा को धन्य करते हैं। फेरी के अंत में गुरुद्वारे में प्रसाद सेवा होती है जिसमें सभी धर्मों के लोग साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। इस दौरान बच्चों और युवाओं को भी सिखाया जाता है कि गुरु की सच्ची भक्ति केवल पूजा में नहीं, बल्कि सेवा और भक्ति भाव में भी है। यह विशेष रूप से गुरु नानक देव जी के जन्मोत्सव से जुड़ी हुई है। आज गुरु नानक देव जी का संदेश केवल पंजाब या भारत तक सीमित नहीं है, दुनियाँ के 150 से अधिक देशों में प्रभात फेरियां निकाली जाती हैं।लंदन में साउथहॉल गुरुद्वारा से हजारों श्रद्धालु प्रभात फेरी में भाग लेते हैं। कनाडा के वैंकूवर में भारतीय मूल के लोगों के साथ स्थानीय नागरिक भी इस भक्ति उत्सव में शामिल होते हैं।सिंगापुर, मलेशिया, दुबई, अमेरिका, केन्या, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में सिख समुदाय और अन्य धर्मों के लोग भी गुरु नानक के उपदेशों से प्रेरित होकर प्रभात फेरियों का आयोजन करते हैं।इस प्रकार कार्तिक प्रभात फेरी आज एक वैश्विक सांस्कृतिक संवाद का माध्यम बन चुकी है। प्रभात फेरी में भाग लेने वालों के जीवन में यह अनुभव गहरा आध्यात्मिक परिवर्तन लाता है। भोर के समय जब पूरा वातावरण शांत होता है और वाहेगुरु का नाम गूंजता है, तब व्यक्ति के भीतर की अशांति मिटने लगती है। यह अनुभव बताता है कि आस्था केवल पूजा नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि का मार्ग साथियों बात अगर हम गुरुनानक देव जी की कार्तिक प्रभात फेरी 2025 को समझने की करें तो'सतगुरु की अरदास, प्रभात की प्रभा से विश्व आलोकित 'वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह।आस्था, भक्ति और मानवता के इस पावन संगम में जब सूरज की पहली किरण धरा को स्पर्श करती है, तो गुरबाणी की मधुर वाणी के साथ 'वाहेगुरु' का नाम गुंजायमान हो उठता है। यही वह क्षण होता है जब कार्तिक प्रभात फेरी की शुरूआत होती है,वह अनूठी परंपरा जिसे गुरु नानक देव जी ने आध्यात्मिक जागरण और मानवीय एकता का प्रतीक बनाया। पूरे 15 दिवसीय भक्तिमय कालखंड में सिख श्रद्धालु सहित सिंधी व अन्य समाज गुरु नानक जयंती की तैयारी और साधना में डूबे रहेंगे। 'प्रभात फेरी' का शाब्दिक अर्थ है,प्रभात (सुबह) के समय की आस्था यात्रा। यह फेरी केवल चलना नहीं, बल्कि संगत (सामूहिकता) के रूप में भक्ति का प्रसार है। जब सूर्योदय से पहले की शांति में भक्तजन 'वाहे गुरु,सतनाम' धन गुरु नानक सारा जग तारिया के नाम का उच्चारण करते हुए गलियों, चौपालों और रास्तों से गुजरते हैं, तब यह वातावरण आध्यात्मिक प्रकाश से भर जाता है। प्रभात फेरी आत्मशुद्धि का माध्यम है, यह सिख व अन्य धर्म की उस भावना का प्रतीक है जिसमें कहा गया है कि 'नाम जपो, किरत करो,वंड छको' अर्थात ईश्वर का स्मरण करो, ईमानदारी से कार्य करो और सबमें बाँटो। यह लगभग 14 दिनों की धार्मिक यात्रा गुरु नानक जयंती की तैयारी का सबसे पवित्र चरण मानी जाती है। भारत में अमृतसर, पटियाला, लुधियाना, आनंदपुर साहिब, दिल्ली, नांदेड़, पटना साहिब जैसे गुरुद्वारों में प्रभात फेरियों की विशेष व्यवस्था की जाती है।परंतु अब यह परंपरा सीमित नहीं रही।कनाडा,अमेरिका ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, सिंगापुर और दुबई जैसे देशों में बसे सिख समुदाय भी इसे अत्यंत श्रद्धा से मनाते हैं। लंदन के साउथहॉल, वैंकूवर, मेलबर्न, टोरंटो, और कैलिफोर्निया के गुरुद्वारों से प्रभात फेरियाँ निकलती हैं, जिनमें न केवल भारतीय मूल के लोग बल्कि विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के लोग भी भाग लेते हैं। इस तरह यह पर्व 'ग्लोबल यूनिटी ऑफ स्पिरिचुअल एनर्जी' का प्रतीक बन गया है।

साथियों बात अगर हम इतिहास में प्रभात फेरी की परंपरा व आधुनिक रूप में पर्यावरण और समाज के प्रति संदेश को समझने की करें तो,गुरु नानक देव जी ने 15 वीं शताब्दी में जब आध्यात्मिक यात्रा आरंभ की थी, तब वे अक्सर अपने शिष्यों के साथ प्रभात बेला में भक्ति गीत गाया करते थे। यही परंपरा आगे चलकर प्रभात फेरी के रूप में स्थापित हुई। उनकी यह शिक्षाएँ उस युग में सामाजिक अंधकार में प्रकाश की किरण बनकर फैलीं गुरु नानक देव जी ने जात- पात, अंधविश्वास और धार्मिकभेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाई और मनुष्य को उसके कर्म और सत्यनिष्ठा से परिभाषित करने की प्रेरणा दी। प्रभात फेरी इन्हीं सिद्धांतों को पुनर्जीवित करती है,यह केवल धार्मिक रिवाज नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और मानवता के जागरण का पर्व है,इस वर्ष की प्रभात फेरी में कई गुरुद्वारों ने ग्रीन प्रभात फेरी की पहल की है। इसका उद्देश्य है कि भक्ति के साथ-साथ प्रकृति की रक्षा भी की जाए। पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता सिख धर्म की मूल भावना से जुड़ी है,क्योंकि गुरुनानक देवजी ने कहा था 'पवण गुरु, पानी पिता, माता धरत महत।' इस संदेश के अनुरूप श्रद्धालु पौधरोपण, प्लास्टिक-मुक्त आयोजन और साइकिल प्रभात फेरी जैसी गतिविधियाँ करेंगे। अमृतसर, दिल्ली, पटना साहिब और नांदेड़ के गुरुद्वारों ने इस वर्ष 'एक पौधा एक श्रद्धालु अभियान' भी प्रारंभ किया है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्तिक प्रभात फेरी का विस्तार को समझने की करेंतो,21वीं सदी में प्रभात फेरी का स्वरूप अत्यंत वैश्विक हो गया है। विदेशों में बसे भारतीय समुदाय ने इसे 'फेस्टिवल ऑफ मॉर्निंग डिवोशन' के रूप में स्थापित किया है।कनाडा और ब्रिटेन में सिख समुदाय स्थानीय सरकारों के सहयोग से विशेष परमिट लेकर सड़कों पर प्रभात फेरी निकालता है। इसमें न केवल धार्मिक गीत बल्कि इंटरफेथ संवाद भी होते हैं, जिसमें हिंदू, मुस्लिम, क्रिश्चियन, ज्यू और बौद्ध धर्मों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इससे गुरु नानक की सार्वभौमिक शिक्षा 'एक ओंकार सतनाम' का विश्व संदेश फैलता है कि सत्य एक है, परंतु उसे पाने के मार्ग अनेक हैं। गुरु नानक देव जी का दर्शन अत्यंत व्यापक था। उन्होंने कहा 'न को हिन्दू न मुसलमान,'अर्थात इंसान को धर्म से नहीं, उसके कर्म से आँकना चाहिए,प्रभात फेरी इसी विचारधारा की व्यावहारिक अभिव्यक्ति है। जब समाज के लोग एक साथ चलकर नाम जपते हैं, तब जाति, धर्म, भाषा और वर्ग का भेद मिट जाता है।यह एक ऐसा आयोजन है जो आत्मा और समाज दोनों को जोड़ता है। इसमें हर व्यक्ति को यह अनुभव होता है कि 'हम सब ईश्वर के एक ही प्रकाश के अंश हैं।'

बिहार में सियासी पलटवार नई पट कथा

बिहार में बड़ा राजनीतिक दाव -महागठबन्धन के लिए चाणक्य बने - अशोक गहलोत

बिहार की राजनीति एक बार फिर अपने निर्णायक मोड़ पर है। विधान सभा चुनाव 2025 से ठीक पहले कांग्रेसऔर आरजेडी ने ऐसा दांव चला है जिसने एनडीए की रणनीति को झकझोर दिया है।पटना में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने घोषणा की कि यदि महागठबंधन को बहुमत मिला तो तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री और वीआईपी पार्टी के मुकेश सहनी उपमुख्यमंत्री होंगे।यह घोषणा केवल नाम तय करने की औपचारिकता नहीं थी - यह बिहार की सामाजिक और जातीय राजनीति की गहरी समझ और कांग्रेस की व्यावहारिक मजबूरी का प्रतीक है। बिहार चुनावों में 'चाणक्य' शब्द हमेशा गूंजता रहा है - कूटनीति, बुद्धि और रणनीति के प्रतीक के रूप में।कभी अमित शाह को भाजपा का चाणक्य कहा गया, तो कभी प्रशांत किशोर को चुनावी रणनीति का मास्टरमाइंड बताया गया,लैकिन इस बार मैदान में उतरे हैं अशोक गहलोत,जिन्होंने कांग्रेस और आरजेडी के बीच महीनों से चल रहे मतभेद को सुलझाकर महा गठबंधन को एक सूत्र में बांधा। उन्होंने वह कर दिखाया जो बिहार कांग्रेस के स्थानीय नेता नहीं कर पा रहे थे - संचार की डोर को फिर से जोड़ना। गहलोत ने कांग्रेस हाईकमान को यह समझाया कि बिहार में आरजेडी के बिना कांग्रेस का अस्तित्व टिकना मुश्किल है। 2020 के चुनाव में कांग्रेस ने अकेले मैदान में उतरकर जो राजनीतिक क्षति उठाई,वह अब दोहराई नहीं जा सकती। उन्होंने महागठबंधन को पुनर्जीवित कर,तेजस्वी यादव के नेतृत्व पर सहमति दिलवाई।इस तरह गहलोत ने खुद को 'कांग्रेस के चाणक्य' के रूप में स्थापित किया, जिन्होंने बिहार की उलझी हुई समीकरणों में नया जीवन फूंका।

जातीय गणित और सामाजिक इंजीनियरिंग का नया फॉमूर्ला
बिहार की राजनीति का मूल डीएनए 'जाति' है।यहां बिना सामाजिक समीकरण साधे कोई भी दल सत्ता की दहलीज नहीं छू सकता। महागठबंधन की नई रणनीति भी इसी यथार्थ पर आधारित है।

राजनीतिक गणना कहती है कि यहाँ यादव लगभग 14%,मुसलमान 18%, मल्लाह समुदाय लगभग 6%, और अति पिछड़ा वर्ग लगभग 20% हैं। महागठबंधन ने यादव-

मुस्लिम समीकरण को तेजस्वी के माध्यम से और अति पिछड़ों-मल्लाहों को मुकेश सहनी के सहारे साधने का प्रयास किया है।यह वही सामाजिक फॉमूर्ला है जिसने 2015 में महा गठबंधन को ऐतिहासिक विजय दिलाई थी।फर्क सिर्फ इतना है कि तब नीतीश कुमार चेहरे थे, और आज तेजस्वी यादव अपने युवा जोश और सामाजिक जुड़ाव के साथ इस भूमिका में हैं।कांग्रेस बिहार में अपने सियासी अस्तित्व की जंग लड़ रही है। राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' ने संगठन में नई ऊर्जा भरी थी,लेकिन प्रदेश नेतृत्व की अंतर्कलह ने समीकरण बिगाड़ दिए।कृष्णा अल्लावरू, राजेश राम और अन्य नेताओं ने यह तर्क दिया कि तेजस्वी के नाम पर गैर-यादव ओबीसी और सवर्ण वोटर दूर हो सकते हैं।परंतु गहलोत ने तर्कों के उलझे जाल को काटते हुए स्पष्ट किया >'तेजस्वी ही वह चेहरा हैं जिनके बिना महागठबंधन एकजुट नहीं हो सकता।' गहलोत की इस रणनीति ने कांग्रेस को दो लाभ दिए -1. आरजेडी के साथ फिर से गठजोड़ मजबूत हुआ।

2. महागठबंधन के अन्य घटक दल -सीपीआई,सीपीएम, माले और वीआईपी -कांग्रेस के साथ खड़े हुए एनडीए पर राजनीतिक प्रभाव

अब सवाल यह है कि इस घोषणा का प्रभाव क्या होगा? सर्वविदित रहे किबिहार की राजनीति में एनडीए (भाजपा-जेडीयू गठबंधन)के लिए यह चुनौतीपूर्ण मोड़ है। एनडीए की नींव जातीय संतुलन, विकास व सुशासन के वादे पर टिकी है, .परंतु नीतीश कुमार के नेतृत्व में थकान और भाजपा के भीतर असंतोष की झलक दिख रही है।तेजस्वी को सीएम चेहरा घोषित करने के साथ ही महागठबंधन ने चुनावी विमर्श को 'विकास बनाम सामाजिक न्याय' से हटाकर 'युवा नेतृत्व बनाम थकी हुई सत्ता' के रूप में बदल दिया है।

युवाओं और अल्पसंख्यकों में तेजस्वी की पकड़,तथा अति पिछड़ों में मुकेश सहनी की पहचान यह एनडीए की 'डबल इंजन' नीति पर भारी पड़ सकती है।भाजपा अब तक नीतीश कुमार की विश्वसनीयता पर सवार रही,परंतु इस बार गहलोत झतेजस्वी की जोड़ी ने सामाजिक समीकरणों को नई दिशा दे दी है।

बिहार का पूर्वी-दक्षिणी क्षेत्र (सीवान, सारण,गोपालगंज, दरभंगा,मधुबनी) यादव-मुस्लिम बहुल है, जहाँ महागठबंधन की मजबूत पकड़ रही है। वहीं कोशी-मिथिलांचल और सीमांचल में अल्पसंख्यक वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं। मुकेश सहनी का प्रभाव उत्तर बिहार के नदी-तटीय मल्लाह और निषाद समुदायों में गहराई तक है।गहलोत की नई रणनीति इन भौगोलिक और जातीय क्षेत्रों को जोड़ने का एक राजनीतिक मानचित्र तैयार करती है - जो बिहार की आर्थिक असमानता और ग्रामीण असंतोष को भी संबोधित करता है।

बदलती राजनीति का संकेत
अशोक गहलोत का यह कदम केवल चुनावी घोषणा नहीं,बल्कि कांग्रेस के 'राष्ट्र स्तर पर गठबंधन पुनर्गठन' का संकेत भी है।

जहाँ उत्तर प्रदेश में कांग्रेस ने बसपा से दूरी बनाकर अकेले चलने की राह पकड़ी,वहीं बिहार में उसने गठबंधन की ताकत को समझते हुए यथार्थ वादी दृष्टिकोण अपनाया है।

तेजस्वी को 'युवा नेतृत्व' के रूप में पेश कर कांग्रेस ने बिहार की राजनीति को नया विमर्श दिया है –

अब यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक सोच के पुनर्जागरण की लड़ाई बन गया है।

अशोक गहलोत के कुशल मध्यस्थता ने कांग्रेस और आरजेडी को एक मंच पर ला खड़ा किया।

तेजस्वी यादव अब महागठबंधन के सर्वमान्य नेता हैं,जबकि मुकेश सहनी सामाजिक समावेशन के प्रतीक बनकर उभरे हैं। बिहार की जातीय राजनीति में यह एक नया सामाजिक गठजोड़(Yadav– Muslim–EBC–Dalit formula)है जो एनडीए के पारंपरिक समीकरणों को चुनौती देता है। 2025 का चुनाव अब केवल वोटों की लड़ाई नहीं,बल्कि रणनीति, जातीय समीकरण और नेतृत्व के करिश्मे की अग्निपरीक्षा बनेगा।

गहलोत ने महागठबंधन को नई दिशा देकर खुद को सचमुच 'राजनीति का आधुनिक चाणक्य' सिद्ध कर दिया है।ऐसे में बिहार की सियासत एक बार फिर देश की राजनीति का केन्द्र बिन्दु बन गई है।

डीआईजी ने डीएम-एसपी के साथ किया तिगरी गंगा मेला स्थल का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद मंडल मुनिराज ने जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के साथ गंगा तिगरी मेला की तैयारी का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और प्रगति जानते हुए कार्यों में तेजी लाते हुए कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद मंडल मुनिराज ने बताया कि इस बार भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन के दृष्टिगत सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं और इसके मद्देनजर फोर्स की संख्या बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि स्टंटबाजी या खुराफाती कार्य करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन से निगरानी की जाएगी। यातायात और पार्किंग के लिए इस तरह कार्य योजना बनाई गई है जिससे श्रद्धालुओं के साथ आमजन को भी किसी तरह की समस्या न हो। डीआईजी ने तिगरी गंगा मेला को भव्य, सुरक्षित और आकर्षक बनाने के लिए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेला में लाखों श्रद्धालु आते हैं। इसलिए, सभी अधिकारी समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से पूर्ण करें, ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हों। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि गंगा जी के पानी पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित घाट उपलब्ध कराने के दृष्टिगत घाटों को बेहतर और सुरक्षात्मक बनाने के निर्देश दिए गए हैं। सड़कों का कार्यों का निरीक्षण कर तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। कुछ जगह पर नमी है उनको जल्दी-जल्दी जुताई कर सुखाने के निर्देश दिए गए हैं। बताया कि कोतवाली लगभग बनकर तैयार हो चुकी है प्रशासनिक और अन्य सेक्टर कट कर तैयार हो चुके हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम, दीपदान स्थल और रंगोली स्थल भी चिन्हित कर लिए गए हैं। सभी सेक्टर में पेयजल आपूर्ति और प्रकाश की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। यातायात सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस बार हम और भी बेहतर स्वच्छ, सुरक्षित और भव्य मेला आयोजित करेंगे। महिलाओं के लिए शौचालय और चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अपने पूरे परिवार के साथ आए और सुरक्षित स्नान करें। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बताया कि मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। पुलिस के साथ-साथ पीएसी भी तैनात रहेगी। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी नजर रखी जाएगी। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखा जाएगा ताकि श्रद्धालुओं और आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, उपजिलाधिकारी धनौरा विभा श्रीवास्तव, लोक निर्माण विभाग, बाढ़ खंड सहित संबंधित अधिकारी और कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

धनौरा पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के साथ दो युवकों को किया गिरफ्तार

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस ने चैकिंग के दौरान अवैध कच्ची शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है जिनके पास से पुलिस ने 10-10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की है। बता दें कि बृहस्पतिवार को थाना मंडी धनौरा पुलिस द्वारा वांछित वारंटी व चैकिंग संदिग्ध वाहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दो युवकों पिंटु पुत्र हरचन्द निवासी ग्राम शेरपुर थाना मंडी धनौरा अमरोहा व उमेश पुत्र रामस्वरूप निवासी ग्राम शेरपुर थाना मंडी धनौरा अमरोहा को 10-10 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से पुलिस ने अलग अलग प्लास्टिक के थैलों में 10-10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की। जिसके बाद धनौरा पुलिस द्वारा गिरफ्तार युवकों का संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई।

महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए पुलिस ने की विशेष पहल

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत जनपद सम्भल में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में 23 अक्टूबर को जनपद के सभी थानों में महिला पुलिसकर्मियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चौपाल और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में बालिकाओं को उनकी सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ महिला संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए गए। महिला पुलिसकर्मियों ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाकर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इनमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, और महिला शक्ति केंद्र योजना जैसी योजनाएं शामिल हैं।इसके अतिरिक्त, पुलिस विभाग की हेल्पलाइन सेवाओं जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन 1076, महिला हेल्पलाइन 181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102 और एम्बुलेंस सेवा 108 के बारे में पम्फलेट वितरित कर लोगों को जागरूक किया गया। मोबाइल पर पैनिक बटन के उपयोग का डेमो भी दिखाया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने कहा कि मिशन शक्ति 5.0 का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित व सशक्त वातावरण प्रदान करना है। अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने बताया कि इस अभियान के तहत जनपद में निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि महिलाएं अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

भाई दूज पर बाजारों में बंपर बिक्री, सड़कों पर जाम

टीचर्स कालोनी हसनपुर में भैया दूज पर अपने भाई गर्व राज को तिलक करती बहन यशिका राज।

ढवारसी में भाई हर्ष को तिलक लगाती बहन यशिका

अमरोहा (सब का सपना):- भाई दूज गुरुवार को पूरे हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। यह त्योहार भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का प्रतीक है। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और जीवन में खुशहाली की कामना की। शुभ मुहूर्त में बहनों ने रोली, अक्षत और चंदन का तिलक लगाकर भाइयों का सत्कार किया। थाली में सजे दीपक, मिठाई और गोले के बीच यह रस्म पूरी की गई। बहनों ने यम देवता से अपने भाइयों की रक्षा और सफलता के लिए प्रार्थना की, वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनके प्रति अपना स्नेह और आजीवन सुरक्षा का वचन दिया। भाई दूज के चलते बाजारों में सुबह से ही रौनक देखने को मिली। मिठाई और गोले की बिक्री ने इस बार सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। मिठाई की दुकानों पर लंबी कतारें लगी रहीं और लोगों ने जमकर खरीदारी की। उपहारों की दुकानों पर भी खूब भीड़ उमड़ी। भाई दूज पर बहनों के घर जाने वाले भाइयों और अन्य लोगों की आवाजाही के कारण शहर के मुख्य रास्तों पर जाम जैसी स्थिति देखने को मिली।

सड़कों पर वाहनों का अत्यधिक दबाव रहा। जिससे कई स्थानों पर यातायात धीमा हो गया। भाई दूज का यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और भारतीय संस्कृति की परंपराओं को मजबूती से आगे बढ़ाता हुआ दिखाई दिया।

भाई दूज पर बहनों ने भाइयों के माथे पर लगाया तिलक, मांगी दीघार्यु और खुशहाली की कामना

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पांच दिवसीय हिंदू त्योहार दीपावली के समापन के दो दिन बाद जनपद संभल के बहजोई में भाई दूज का त्योहार बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, सुख, और समृद्धि की मंगल कामना की। भाई दूज, जो भाई-बहन के अटूट रिश्ते और एकता का प्रतीक है, इस दिन बहनें अपने भाइयों के लिए विशेष पूजा-अर्चना करती हैं और तिलक लगाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना करती हैं। वहीं, भाई अपनी बहनों के घर जाकर इस रिश्ते को और मजबूत करते हैं। बहजोई में सुबह से ही घर-घर में इस त्योहार की तैयारियां देखी गईं। बहनों ने पारंपरिक वेशभूषा में भाइयों का स्वागत किया और तिलक समारोह के बाद उपहारों का आदान-प्रदान किया गया। स्थानीय निवासियों ने बताया कि यह त्योहार न केवल भाई-बहन के प्रेम को दशार्ता है, बल्कि परिवारों में एकजुटता और खुशहाली का संदेश भी देता है। इस अवसर पर बहजोई के बाजारों में भी रौनक रही, जहां मिठाइयों और उपहारों की दुकानों पर खासी भीड़ देखी गई। भाई दूज के इस पावन पर्व ने एक बार फिर रिश्तों की गर्माहट और परंपराओं की महक को जीवंत कर दिया।

शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने मुंहबोले मुस्लिम भाई को तिलक कर की हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल पेश

संभल(सब का सपना):- भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास के प्रतीक भैय्या दूज के पावन पर्व पर उत्तर प्रदेश सरकार की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने जाति-धर्म-दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एक अनूठी मिसाल कायम की। उन्होंने अपने मुंहबोले मुस्लिम भाई, मदरसा मौलाना मोहम्मद अली जौहर के प्रबंधक एवं सामाजिक कार्यकर्ता मौहम्मद फिरोज खान 'हिन्दुस्तानी' को तिलक लगाकर दूज मनाई। यह रस्म न केवल भाई-बहन के स्नेह को मजबूत करती है, बल्कि हिंदू-मुस्लिम सद्भाव और आपसी भाईचारे का प्रतीक भी बनी। मंत्री गुलाब देवी ने इस अवसर पर कहा, "भाई-बहन के असीम प्रेम और अटूट विश्वास से परिपूर्ण भैय्या दूज अपने आप में एक अनोखा और अनूठा त्योहार है। यह ऐसा पर्व है जो आपस में नए रिश्ते जोड़कर उनका जश्न मनाता है। हमारे परिवारों में नए सदस्यों को जोड़ता है, जिसमें बहनें अपने भाइयों को तिलक कर उनके स्वास्थ्य, लंबी आयु, खुशहाली और तरक्की की कामना करती हैं।" उन्होंने जोर देकर कहा कि यह त्योहार न केवल पारिवारिक बंधनों को मजबूत करता है, बल्कि समाज में एकता का संदेश भी देता है। गुलाब देवी और मौहम्मद फिरोज खान के बीच का यह रिश्ता वर्षों पुराना है। रक्षाबंधन पर राखी बांधने से लेकर भैय्या दूज पर तिलक लगाने तक, दोनों ने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल पेश की है। गुलाब देवी,ने मुंहबोले भाइयों को अपनाकर इस परंपरा को जीवंत रखा है। इसी क्रम में,अपनी बेटी सुगंधा सिंह की शादी के दौरान भी उन्होंने अपने अन्य मुंहबोले भाई, सलीम सैफी से भात मांगकर एकता का संदेश दिया था। इस अवसर पर मंत्री देवी ने सभी देशवासियों को भैय्या दूज की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, "मैं सभी को इस पावन पर्व की मुबारकबाद पेश करती हूं।

भाई दूज के त्योहार पर मुस्लिम बहन ने अपने हिंदू भाई का तिलक कर की दीघार्यु की कामना

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- नगर निवासी मुस्लिम बहन शाहजहां ने अपने मुंहबोले भाई व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता का तिलक कर ईश्वर से उनकी दीघार्यु और उज्जवल भविष्य की प्रार्थना की है। शाहजहां बेगम जो कि नगर हसनपुर की ही निवासी वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अली अहमद सैफी की पत्नी हैं, और व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता मोहल्ला होली वाला कस्बा हसनपुर के स्थाई निवासी हैं। ज्ञात रहे कि मुकेश गुप्ता और शाहजहां बेगम का भाई- बहन का ये पवित्र रिश्ता अब से लग-भग 26 वर्ष पुराना है। उनका कहना है कि हम लोगों के लिए वर्तमान समय का राजनीतिक प्रोपगंडा वाला हिन्दू-मुस्लिम विवाद बाधक नहीं, और हम दोनों परिवारों के द्वारा प्रतिएक वर्ष आने वाले सभी त्योहार दीपावली, भैयादूज, होली, रक्षाबंधन, और मीठी ईद मिलजुल मनाते हुए सुखमय जीवन व्यतीत करते रहे हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से हमारे देश की गंगा जमूनी तहजीब जिंदा है।
गौरतलब हो कि दोनों ही परिवार शिक्षित और गणमान्य होने के बावजूद हिन्दू- मुस्लिम एकता अखंडता को बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली मिशाल का केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं। और उन्होंने अपनी और से सभी देशवासियों को भाई बहन के पवित्र त्योहार भाईदूज की शुभकामनाएं दी हैं। तथा देश में अमनचैन और खुशहाली बनाए रखने के लिए सभी देशवासियों से मिलजुल कर रहने की अपील की है।

ओ.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, गजरौला को एडुइकॉन अवाड्र्स 2025 में राष्ट्रीय सम्मान

गजरौला/अमरोहा(सब का सपना):-शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशाखापट्टनम के फेयरफील्ड बाय मैरियट होटल में आयोजित एडुइकॉन अवाड्र्स 2025 में ओ.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल, गजरौला (जिला अमरोहा, उत्तर प्रदेश) के सचिव एडवोकेट डॉ. पराग पंडित को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया। यह आयोजन मल्ला ब्यूरो ऑफ चाइल्ड डेवलपमेंट और स्कूल ऑफ वंडर किड्स, विशाखापट्टनम के सहयोग से हुआ। इस राष्ट्रीय आयोजन में देशभर के प्रमुख शिक्षाविदों, समाजसेवियों और शिक्षा संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथियों में सांसद एम. भरत गरु, एम.एल.सी. आंध्र प्रदेश एम. वी. रामचंद्र रेड्डी गरु, आंध्र प्रदेश सरकार के सचिव डी. देवनंद रेड्डी गरु, NISA के अध्यक्ष कुलभूषण शर्मा गरु, APPUSMA के पूर्व अध्यक्ष ए. कृष्ण रेड्डी गरु, APPUSMA के अध्यक्ष के. तुलसी विष्णु प्रसाद गरु, महासचिव डॉ. एस. श्रीनिवास राव गरु, ळफ्रटअ के अध्यक्ष एस. मधुसूदन गरु, और ब्रेनफीड एजुकेशनल मैगजीन के सीईओ ब्रह्मम वी. काकानी गरु शामिल थे। अतिथियों ने इस आयोजन को शैक्षिक जगत का पर्व करार देते हुए शिक्षा में सकारात्मक परिवर्तनों की सराहना की। डॉ. पराग पंडित को उनके शैक्षणिक नेतृत्व, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मॉडल, तकनीकी नवाचार, और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए प्रयासों के लिए ह्लएडुइकॉन अवार्ड झ्र 2025ह्व से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके द्वारा ओ.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल में लागू नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धतियों और शिक्षकों को आधुनिक तकनीकों से सशक्त बनाने के लिए प्रदान किया गया। सम्मान ग्रहण करने के बाद डॉ. पंडित ने कहा, ह्लयह पुरस्कार केवल मेरा नहीं, बल्कि ओ.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल के पूरे परिवार, हमारे विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और गजरौला, हसनपुर तथा अमरोहा के नागरिकों का है। हमारा लक्ष्य हर बच्चे की प्रतिभा को पहचानकर उसे आधुनिक शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में स्कूल ऑफ वंडर किड्स के छात्रों ने रचनात्मक और प्रेरणादायक प्रस्तुतियाँ दीं, जो आधुनिक शिक्षण के स्वरूप को दशार्ती थीं। शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत लाइव डेमो क्लास में तनाव-मुक्त और नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धतियों का प्रदर्शन किया गया, जिसे उपस्थित अतिथियों ने खूब सराहा। यादगार आयोजन मल्ला ब्यूरो ऑफ चाइल्ड डेवलपमेंट और स्कूल ऑफ वंडर किड्स की टीम ने इस आयोजन को अनुशासित और प्रेरणादायक बनाया। समारोह के अंत में सभी सम्मानित शिक्षाविदों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया और राष्ट्र के उज्जवल शैक्षिक भविष्य की कामना की गई। यह सम्मान ओ.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल के लिए गर्व का क्षण है, जो शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवाचार और उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर है। यह पुरस्कार स्कूल के सामूहिक प्रयासों और समर्पण का प्रतीक है।

छठ पूजा के लिए दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का बड़ा ऐलान- घाट पर आने वालों को मिलेंगी ये सुविधाएं

नई दिल्ली : दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने राजधानी में छठ पूजा की तैयारियों को लेकर बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बड़ा ऐलान किया। उन्होंने घोषणा की कि दिल्ली सरकार इस बार छठ पूजा का त्योहार भव्य और बड़े पैमाने पर मनाने की तैयारी कर रही है। सीएम गुप्ता ने कहा कि सालों से यमुना घाट पर छठ पूजा होती रही है, लेकिन पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार ने इस पर रोक लगा दी थी। उन्होंने कहा, "हमारी सरकार ने अब छठ पूजा पर लगी रोक को हटाने का काम किया है।" 17 मॉडल घाटों पर होगी पूजा सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि इस साल छठ पूजा के लिए दिल्ली में पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। यमुना नदी के किनारे पल्ला से लेकर कालिंदी तक 17 पॉइंट्स चिन्हित किए गए हैं, जहाँ मॉडल छठ घाट बनाए जा रहे हैं। श्रद्धालु इन घाटों पर आराम से छठ पूजा कर

सकेंगे। उन्होंने कहा कि राजधानी में छठ पूजा करने वाले सभी लोगों के लिए विशेष तरह के इंतजाम किए गए हैं। पिछली बार शहर में केवल 929 जगहों पर छठ मनाई गई थी, लेकिन इस बार 1000 से ज्यादा जगहों के लिए आवेदन आ चुके हैं। इन सभी स्थानों पर सरकार की ओर से सभी जरूरी सुविधाएँ दी जाएंगी।व्रतियों के लिए खास व्यवस्था सीएम ने कहा कि "हमने कर्तव्य पथ पर जैसी भव्य दिवाली मनाई, उतनी ही भव्य छठ पूजा भी होगी।" सरकार की तैयारियों में शामिल हैं: हर जिले में कम से कम एक मॉडल छठ घाट का निर्माण। छठ व्रतियों के लिए स्वागत गेट और सांस्कृतिक कार्यक्रम। सुबह अर्घ्य देने जाने वाले व्रतियों के लिए चाय-पानी की व्यवस्था। सभी घाटों पर मेडिकल सुविधाओं का इंतजाम। पुरानी FIR होंगी वापस सीएम रेखा गुप्ता ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि 2021 में यमुना पर छठ मनाने गए लोगों पर पिछली सरकार द्वारा धारा 188 के तहत जो केस दर्ज किए गए थे, हमारी सरकार उन सभी मामलों को वापस लेगी।

खबर एक्सप्रेस

गाजियाबाद में 45 करोड़ की लागत से तैयार होगा आधुनिक पार्क, क्या है मास्टर प्लान

गाजियाबाद। गाजियाबाद में मधुबन बापूधाम में करीब साढ़े छह एकड़ क्षेत्रफल में विकसित भारत 2047 थीम पर आधारित आधुनिक पार्क विकसित किया जाएगा। जीडीए ने इसके लिए रिक्वेस्ट फार प्रपोजल (आरएफपी) जारी करते हुए टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। पार्क करीब 45 करोड़ की लागत से तैयार किया जाएगा। प्राधिकरण की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य विकसित भारत की परिकल्प को थीम पार्क में साकार रूप देना है। बोली प्रक्रिया के दौरान चयनित कंपनी को 15 वर्षों तक थीम पार्क का रखरखाव भी करना होगा। जीडीए में थीम पार्क तैयार करने की इच्छुक एजेंसी 14 नवंबर तक आवेदन दाखिल कर सकेंगी।आवेदन करने वाली एजेंसियां 15 नवंबर को आयोजित होने वाली बोली प्रक्रिया में भाग ले सकेंगी। पार्क के बनने से एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी और स्थानीय व बाहर से परिवार के साथ आने वाले लोगों को मनोरंजन व स्वास्थ्य के साथ ज्ञान भी मिलेगा। यहां आकर बच्चे खेल-खेल में भारत की विकास यात्रा को आसानी से जान सकेंगे।

दिल्ली में 11 हजार बसों की जरूरत लेकिन... वेटिंग टाइम के सवाल पर क्या बोले परिवहन मंत्री

नई दिल्लीः दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा है कि डीटीसी में बसों की कोई कमी नहीं है और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बेहतर तरीके से चल रही है। यह बयान एनबीटी में बसों की कमी से जुड़ी खबर छपने के बाद आया है। एनबीटी ने सड़कों पर बसों की कमी और यात्रियों को हो रही परेशानी को प्रमुखता से दिखाया था। बसों की संख्या बढ़ाने पर हो रहा काम पंकज सिंह ने माना कि यात्रियों के वेटिंग टाइम को कम करने के लिए बसों की संख्या बढ़ाने पर काम चल रहा है। आईआईटी दिल्ली द्वारा किए गए डिटेल एनालिसिस के आधार पर बस रूट रेशनलाइजेशन भी किया जा रहा है ताकि वेटिंग टाइम में कमी आ सके। उनका कहना है कि अगले साल तक बसों की संख्या 7,000 तक पहुंच जाएगी। 508 रूटो पर चल रही बसें मंत्री ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में कुल 50र रूट्स पर बसें चल रही हैं। इनमें 426 सिटी रूट्स, 12 एनसीआर रूट्स और 70 देवी बस रूट्स शामिल हैं। इन रूट्स पर कुल 4,000 से अधिक बसें चलाई जा रही हैं।राजधानी की सड़कों पर बसों की कमी अचानक नहीं हुई है। सरकार और डीटीसी मैनेजमेंट को पहले से पता था कि बसों की उम्र खत्म हो रही है, लेकिन नई बसों की खरीद में देरी और उसके बाद डिलिवरी न मिलने से यह समस्या और बढ़ गई है। दिल्ली में जहां यात्रियों की संख्या के लिहाज से करीब 11 हजार बसों की जरूरत है, वहीं फिलहाल आधी बसें ही सड़कों पर बची है। आइए जानते हैं बसों की कमी की प्रमुख वजहें... दिल्ली में डीटीसी के तहत आखिरी बार बसों की बड़ी खेप 2009 से 2011 के बीच कॉमनवेल्थ गेम्स के समय आई थी। उस दौरान ही साफ था कि बसों की अधिकतम उम्र 10 साल तय है। इसके बावजूद नई बसों की खरीद को गंभीरता से नहीं लिया गया।मंत्री ने बताया कि परिवहन विभाग के पास फिलहाल करीब 4,000 बसें है, जबकि दिल्ली को 11,000 बसों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बसों के वेटिंग टाइम को कम करने के लिए काम चल रहा है। किसी भी रूट पर बस सेवा बंद नहीं की गई है। इसके अलावा टूटे बस क्यू शेल्टर्स को ठीक करने के लिए विभाग को निर्देश भी जारी किए गए हैं।

दिल्ली में गजब! रातभर सोता रहा मेट्रो प्रशासन, टनल में घुस कॉपर की केबल ले उड़े चोर

नई दिल्लीः शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन के अंदर बने टनल में चार बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। ये सभी जंगल के रास्ते दीवार फांदकर अंदर घुसे और पकड़े जाने से बचने के लिए सबसे पहले अलार्म वायर काट दिया। इसके बाद टनल के भीतर कॉपर की केबल काटकर जंगल के रास्ते फरार हो गए। हैरानी की बात यह रही कि मेट्रो प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी। हालांकि पूरी वारदात टनल के एंट्री और एग्जिट गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। आईजीआई एयरपोर्ट मेट्रो पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान की जा रही है। मेट्रो पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, सुधीर कुमार शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन पर सहायक सेशन इंजीनियर के पद पर पिछले तीन साल से काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 15 और 16 अक्टूबर की रात चार लोग जंगल के रास्ते टनल में दाखिल हुए। उन्होंने सबसे पहले अलार्म वायर काटा और फिर टनल के भीतर जाकर करीब 3.5 कोर की 120 एसक्यू एमएम की कॉपर वायर चोरी कर ली।सीसीटीवी फुटेज में कैद हुआ घटना कुछ लोगों को टनल के एग्जिट गेट से बाहर निकलते देखा और तुरंत ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर को सूचना दी। इसके बाद मेट्रो को रोका गया। जब सीसीटीवी फुटेज चेक की गई तो चारों आरोपी टनल के अंदर जाते और फिर बाहर निकलते दिखे। 16 और 17 अक्टूबर की रात सीआईएसएफ और डीएमआरसी की टीम मौके पर जांच के लिए पहुंची। जांच में पता चला कि अलार्म वायर काटी गई थी और केबल चोरी की गई थी। इसके बाद मामला दर्ज किया गया। हालांकि अभी तक आरोपियों का सुराग नहीं मिल पाया है। 2024 में मेट्रो में चोरी के दर्ज हुए 43 मामले जानकारी के अनुसार, साल 2024 में मेट्रो में चोरी के कुल 43 मामले दर्ज हुए थे। इनमें 53 आरोपी पकड़े गए थे। लेकिन उस साल मेट्रो पुलिस सिर्फ 48.88% केस ही सुलझा सकी थी, जबकि 51% मामले अब भी अनसुलझे हैं।

आईएनएस त्रिकंद ने जिबूती तट के पास अग्निशमन अभियान चलाया

नई दिल्ली भारतीय युद्धपोत आईएनएस त्रिकंद ने जिबूती तट के पास कैमरून के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक पोत में आग लगने पर बचाव अभियान चलाया। आग लगने की इस घटना में वाणिज्यिक पोत के चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गई थी।भारतीय नौसेना के अनुसार, पोत एमटी फाल्कन में चालक दल के 26 सदस्य (एक ब्रिटिश और 25 भारतीय) थे और उनमें से 24 को आसपास मौजूद वाणिज्यिक पोतों ने बचा लिया। उसने बताया कि आईएनएस त्रिकंद को समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए अदन की खाड़ी में तैनात किया गया है और इसने पोत पर आग बुझाने में मदद की तथा खोज एवं बचाव कार्यों में सहायता प्रदान की। नौसेना ने एक्स पर लिखा, आईएनएस त्रिकंद के अग्निशमन और चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम एमटी फाल्कन पर सवार हुई और उसने भीषण गर्मी, क्षतिग्रस्त संरचनाओं और जहरीले धुएं का सामना करते हुए चालक दल के दो लापता सदस्यों के पार्थिव शरीर बरामद किए। उसने कहा, बाद में पार्थिव शरीर जिबूती स्थित भारतीय दूतावास को सौंप दिए गए।

नई दिल्ली में राजस्थान फाउंडेशन का भव्य दीपावली सम्मेलन, प्रवासियों ने मनाया संस्कृति और एकता का उत्सव

नई दिल्लीः राजस्थान फाउंडेशन (दिल्ली चैप्टर) ने मारवाड़ी युवा मंच और मारवाड़ी सम्मेलन के सहयोग से बुधवार को नई दिल्ली में भव्य दीपावली सम्मेलन और संगीतमय संध्या का आयोजन किया। रोशनी और उल्लास के इस पर्व को प्रवासी राजस्थानियों ने बड़े उत्साह, सांस्कृतिक जोश और सामुदायिक भावना के साथ मनाया।कार्यक्रम की अध्यक्षता सीए (डॉ.) रामावतार किला, अध्यक्ष राजस्थान फाउंडेशन (दिल्ली चैप्टर) ने की। उन्होंने इस आयोजन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को एक मंच पर जोड़ने और राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के संकल्प को दोहराया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे श्याम सुंदर अग्रवाल, संस्थापक अध्यक्ष झ कॉन्टिनेंटल मिल्कोज लिमिटेड। वहीं विशिष्ट अतिथियों में श्याम बागरी (संस्थापक, बागरी ग्रुप), गोविंद चौधरी (प्रबंध निदेशक, एनमोल इंडस्ट्रीज) और पवन कुमार गोयंका (राष्ट्रीय अध्यक्ष, मारवाड़ी सम्मेलन) शामिल रहे।इस अवसर पर उद्योग, वित्त, प्रशासन और समाजसेवा से जुड़े अनेक गणमान्य उपस्थित रहे, जिनमें सीए चरनजोत सिंह नंदा (अध्यक्ष, ICAI), सीए संजीव सिंगल (सेंट्रल काउंसिल सदस्य, ICAI), एस.के. रूंगटा (पूर्व अध्यक्ष, बाल्को), बजरंग बोथरा (अध्यक्ष, ईपैक ग्रुप), विजय राम रत्तन (अध्यक्ष, राम रत्तन ग्रुप), मनोज बंसल (एमडी, ग्रो मनी कैपिटल), डी.के. अग्रवाल (सीएमडी, एसएमसी इन्वेस्टमेंट्स एंड एडवाइजरी लिमिटेड) और विकास अग्रवाल (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, ऑल इंडिया मारवाड़ी युवा मंच) शामिल थे। इसके अलावा राजेश सिंघल, विमल खंडेलवाल, अर्पित जैन (IPS), डॉ. तरुण, कनिष्क यादव, जी.एन. भट्ट, विनोद किला, सुनील अग्रवाल, जितेंद्र बंथिया और एल.डी. सरावगी जैसे वरिष्ठ अतिथियों ने भी समारोह की गरिमा बढ़ाई।अपने संबोधन में डॉ. किला ने कहा, हम भले ही राजस्थान से दूर हों, पर राजस्थान आज भी हमारे दिलों में बसता है।

हमारी एकता, हमारे संस्कार और हमारी संवेदनशीलता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। इसी एकजुटता से हम अपनी संस्कृति की रोशनी को सदैव जगमगाते रख सकते हैं। संध्या में आकर्षक संगीत प्रस्तुतियाँ, प्रेरक वक्तव्य और दीपावली के उल्लास से भरा माहौल रहा। प्रवासी राजस्थानियों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएँ दीं और सामाजिक व सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करने का संकल्प लिया।

जेएनयू छात्र संघ चुनाव चार नवंबर को प्रस्तावित, छह नवंबर को आ सकते हैं नतीजे

नई दिल्ली : जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ की चुनाव समिति ने बृहस्पतिवार को 2025-26 के छात्र संघ चुनावों के लिए अस्थायी कार्यक्रम जारी किया, जिसके तहत चार नवंबर को मतदान होगा और छह नवंबर को परिणाम घोषित किए जाएंगे।चुनाव प्रक्रिया 24 अक्टूबर को सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक अनंतिम मतदाता सूची जारी होने तथा उसमें संशोधन शुरू करने के साथ शुरू होगी। नामांकन पत्र 25 अक्टूबर को दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे के बीच जारी किए जाएंगे। उम्मीदवार 27 अक्टूबर को सुबह साढ़े नौ बजे से शाम पांच बजे तक अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे। वैध नामांकनों की सूची 28 अक्टूबर को सुबह 10 बजे जारी की जाएगी और उसी दिन अपराह्न दो बजे से शाम पांच बजे के बीच नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। उम्मीदवारों की अंतिम सूची शाम सात बजे तक जारी कर दी जाएगी और उसके बाद रात आठ बजे प्रचार के लिए स्थान आवंटन के साथ एक प्रेस वार्ता होगी। चुनाव समिति के अध्यक्ष रविकांत द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना में कहा गया है कि मतदान चार नवंबर को दो सत्रों में होगा- सुबह नौ बजे से अपराह्न एक बजे तक और दोपहर ढाई बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक। मतगणना रात नौ बजे शुरू होगी। अंतिम परिणाम छह नवंबर को घोषित किए जाएंगे। पिछले साल वामपंथी समर्थित समूहों ने चार केंद्रीय समिति के पदों में से तीन पर जीत हासिल की थी, जबकि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने संयुक्त सचिव का पद हासिल किया, जो लगभग एक दशक में उसकी पहली जीत थी।

दिल्लीः पांच वर्षीय बच्चे के अपहरण और हत्या के मामले में वाहन चालक गिरफ्तार

नई दिल्लीः बाहरी दिल्ली के नरेला इलाके में पांच साल के एक बच्चे का कथित तौर पर अपहरण करने और उसकी हत्या करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह हत्या बदला लेने के लिए की गई थी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

आरोपी की पहचान नीतू के रूप में हुई है, जो स्थानीय ट्रांसपोर्टर एवं बच्चे के पिता के यहां वाहन चालक के रूप में काम करता था। उसे अपराध करने के एक दिन बाद बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, मंगलवार दोपहर को बच्चा नरेला स्थित अपने घर के बाहर खेलते समय लापता हो गया जिसके बाद दोपहर करीब साढ़े तीन बजे नरेला औद्योगिक क्षेत्र में संदिग्ध अपहरण की सूचना मिली। उसने बताया कि तलाशी के दौरान बच्चा उसी इलाके में रहने वाले नीतू के किराए के कमरे में बेहोश पड़ा मिला। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, बच्चे को पास के एक अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरूआती जांच से पता चलता है कि बच्चे की हत्या ईंटों और चाकू से हमला करके की गई है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि नीतू अपने नियोक्ता से नाराज था। शराब के नशे में हुए विवाद के दौरान एक अन्य वाहन चालक के साथ दुर्व्यवहार करने पर नियोक्ता ने सोमवार को उसे डांटा था और थप्पड़ मारा था। अधिकारी ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि गुस्से में आकर नीतू ने लड़के को उसके घर के बाहर से अगवा कर लिया और उसे अपने कमरे में ले गया, जहां उसने उसकी हत्या कर दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटनाओं के सटीक क्रम का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि नरेला पुलिस थाने में हत्या और अपहरण सहित भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इस साल सामान्य से ज्यादा होगी सर्दी, पड़ेगी कड़ाके की ठंड, आईएमडी ने इस राज्य के लिए किया अलर्ट

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मानसून के जाने के बाद शरद ऋतु का मौसम दस्तक दे चुका है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और वायु गुणवत्ता निगरानी एजेंसियों के ताजा अनुमान के मुताबिक, 23 से 29 अक्टूबर के बीच आसमान साफ रहेगा, लेकिन स्मॉग से राहत मिलने में अभी कुछ समय लगेगा। साथ ही, दिल्ली-एनसीआर में दिसंबर से कड़ाके की ठंड शुरू होने की संभावना जताई जा रही है, जिससे जनजीवन और उड़ानों पर भी असर पड़ सकता है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने पंजाब, हरियाणा समेत पूरे देश के किसानों से अपील की है कि वे पराली जलाने से बचें ताकि वायु गुणवत्ता बेहतर बनी रहे।

दिसंबर से ठंड की शुरूआत

मौसम विभाग का अनुमान है कि दिल्ली-एनसीआर में दिसंबर से कड़ाके की ठंड (Cold WÔve) शुरू हो सकती है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से ही तापमान धीरे-धीरे गिरने लगेगा और नवंबर में ठंड बढ़ेगी। फिलहाल अक्टूबर में तड़के स्मॉग से लोगों को परेशानी हो रही है। नवंबर के दूसरे सप्ताह में हल्का से मध्यम कोहरा पड़ने की संभावना है। दिसंबर में न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है। आईएमडी के अनुसार, इस साल सर्दी सामान्य से ज्यादा होने की संभावना है और दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच 15 से 20 दिन तक कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। जनवरी के मध्य और अंतिम सप्ताह में कोहरे के कारण उड़ानों में देरी या रद्द होने की संभावना बनी रहेगी।वीकेंड पर दिल्ली-एनसीआर का मौसम अगले कुछ दिन सुबह हल्का कोहरा छाया रहेगा, लेकिन दिन में धूप खिली रहेगी। हवा की गति 8-10 किमी/घंटा के बीच बनी रहेगी, जो प्रदूषकों को फैलाने में मददगार होगी। इस दौरान अदक का स्तर 120 से 150 के बीच रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने खासकर बुजुर्गों, बच्चों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को सलाह दी है कि वे सुबह और शाम घर के बाहर कम जाएं और बाहर निकलते समय मास्क पहनें। वीकेंड पर रविवार (28 अक्टूबर) को दिल्ली-एनसीआर में धूप के साथ हल्की ठंडक रहेगी। तापमान 20 से 32 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है और AQI का स्तर 105 से 135 के बीच रहेगा।

मुठभेड़ में ढेर हुए बदमाशों का नेपाल कनेक्शन, बिहार चुनाव से पहले खुली मोस्ट वांटेड की क्राइम कुंडली

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बिहार के चार मोस्ट वांटेड को दिल्ली में मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। बिहार पुलिस और दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई में ये बदमाश मारे गए हैं। बताया गया कि बिहार पुलिस ने कई दिनों से दिल्ली में डेरा डाला हुआ था। बिहार पुलिस को इन बदमाशों की लोकेशन नहीं मिल रही थी, लेकिन बुधवार की देर रात को बिहार पुलिस का दिल्ली में गैंग के चार बदमाशों से सामना हो गया। जिसके बाद पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में बिहार के चार मोस्ट वांटेड मारे गए हैं।बिहार के डीजी ने कुछ दिन पहले दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा से कहा था कि सीतामढ़ी का कुख्यात रंजन पाठक अपने गिरोह के कुछ बदमाशों के साथ दिल्ली में छिपा हुआ है। उन्हें पकड़ने के लिए मदद करने का अनुरोध किया था, जिसके बाद दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने क्राइम ब्रांच को इसकी जिम्मेदारी सौंपी थी। सीतामढ़ी का यह गिरोह बेहद कुख्यात माना जाता है। बिहार पुलिस से गिरोह के कई बदमाशों पर इनाम भी है। दिल्ली क्राइम ब्रांच के डीसीपी संजीव कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बुधवार देर रात करीब 2.30 बजे बेगमपुर इलाके में जब बदमाशों को घेरा तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने भी गोलियां चलानी शुरू कर दी, जिसमें चारों बदमाश गोलियां लगने से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए पास के अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, सीतामढ़ी में हत्या के पांच मामले में रंजन पाठक वांटेड था। ये हत्याएं पिछले तीन चार माह के दौरान की गई थी। मुठभेड़ में ढेर हुए चारों अपराधियों की पहचान हो गई है।

दिल्ली में लगातार दूसरे दिन हवा बेहद खराब, 8 साल तक कम हो सकती है उम्र

नई दिल्ली : दिल्ली की हवा अब सिर्फ धूल और धुएं से भरी नहीं रही, बल्कि लोगों की उम्र निगलने लगी है। शिकागो विश्वविद्यालय की एयर क्वालिटी लाइफ इंडेक्स (AQLI) 2025 रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। यहां का ढट 2.5 स्तर WHO के मानक से 20 गुना ज्यादा है। रिपोर्ट की मानें तो अगर हालात नहीं बदले, तो दिल्लीवासियों की औसत उम्र 8.2 साल तक घट सकती है।

दिल्ली में हवा नहीं, जहर बह रहा है एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट (EPIC), शिकागो की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में दिल्ली में PM 2.5 का औसत स्तर 111.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया, जबकि WHO का मानक सिर्फ 5 माइक्रोग्राम है- यानी 22 गुना अधिक जहरीली हवा। ये सूक्ष्म कण फेफड़ों में गहराई तक घुसकर सांस की बीमारियां, दिल के रोग और कैंसर जैसी घातक बीमारियां पैदा कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों की धूल, और पराली जलाना इस प्रदूषण के मुख्य कारण हैं।

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-यूपी बने जहरीले जोन AQLI रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश दुनिया के सबसे प्रदूषित इलाकों में शामिल हैं। करीब 60 करोड़ लोग इस प्रदूषण की चपेट में हैं।दिल्ली में औसत उम्र 8.2 साल घट रही है, बिहार में 5.4 साल, हरियाणा में 5.3 साल, और यूपी में 5 साल तक। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर WHO मानकों के मुताबिक प्रदूषण घटाया जाए, तो हर भारतीय की उम्र औसतन 3.5 साल बढ़ सकती है।

दक्षिण एशिया पर मंडराता खतरा

भारत ही नहीं, इसके पड़ोसी देश भी वायु प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। बांग्लादेश सबसे ऊपर है, जहां हर व्यक्ति की उम्र औसतन 5.47 साल घट रही है। भारत दूसरे स्थान पर है (3.53 साल की कमी)। पाकिस्तान और नेपाल तीसरे और चौथे स्थान पर हैं।

2023 में फिर बढ़ा प्रदूषण स्तर

EPIC-इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2002 के बाद एक समय प्रदूषण में थोड़ी कमी आई थी, लेकिन 2023 में स्तर फिर तेजी से बढ़ा। देशभर में PM 2.5 का औसत स्तर 41 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज हुआ, जो WHO के मानक से 8 गुना ज्यादा है। उत्तर भारत के मैदानों में रहने वाले 54 करोड़ लोगों की उम्र 5 साल तक बढ़ सकती है, अगर हवा साफ हो जाए। अगर हवा हुई साफ, तो बढ़ जाएगी ज़िंदगी अगर PM 2.5 का स्तर WHO के 5 माइक्रोग्राम मानक तक पहुंचाया जाए, तो दिल्लीवासियों की औसत उम्र 8.2 साल तक बढ़ सकती है। देश की 46% आबादी ऐसे इलाकों में रहती है, जहां PM 2.5 स्तर 40 से ज्यादा है। सिर्फ इन जगहों पर प्रदूषण घटाने से ही लोगों की औसत उम्र 1.5 साल तक बढ़ सकती है। क्ली न एयर मिशन से मिली थोड़ी राहतकेंद्र सरकार ने 2019 में नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (NCAP) शुरू किया था, जिसका लक्ष्य था 2024 तक प्रदूषण को 20-30% तक घटाना। रिपोर्ट के अनुसार, अब तक इस मिशन से 44 करोड़ लोगों की औसत उम्र 6 महीने तक बढ़ी है। हालांकि, विशेषज्ञ मानते हैं कि यह सुधार पर्याप्त नहीं है- प्रदूषण नियंत्रण पर सख्ती और तकनीकी नवाचार की जरूरत है।

दिल्ली की हवा में आखिर घुलता जहर कहां से आता है?

हर सर्दी में दिल्ली की हवा जहरीली हो जाती है- सांस लेना मुश्किल, आंखों में जलन, और गले में खराश आम बात बन जाती है।

मुख्य कारण हैंः

पराली जलाना (पंजाब-हरियाणा से आने वाला धुआं)

वाहनों का उत्सर्जन

धूलभरी निर्माण गतिविधियां

औद्योगिक धुआं

समाधान क्या है?

वाहनों पर नियंत्रणः इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा, पुराने डीजल वाहनों पर प्रतिबंध।

पराली जलाने पर कृषि विभाग हुआ सतर्क, 50 किसानों पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त

सिरसा : हरियाणा सरकार द्वारा किसानों को योजनाएं दी जा रही है, जिसका लाभ अब किसान उठाने लगे हैं। यही कारण है कि सिरसा जिले में इस बार पराली के अवशेष जलाने की घटनाओं में बहुत कमी देखने को मिली है। सिरसा जिले के कुछ जगहों को छोड़कर इस बार पराली के अवशेष न जलाकर किसान गांठे बनवा रहे हैं और सरकार द्वारा दी जा रही योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। सिरसा कृषि उपनिदेशक डॉक्टर सुखदेव कंबोज ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस बार किसान पराली के अवशेष न जलाकर उसकी गांठ बनवा रहे हैं और उन्हें बेचकर मुनाफा भी कमा रहे हैं और सरकार की योजनाओं का लाभ भी ले रहे हैं। मीडिया से बातचीत करते हुए कृषि उप निदेशक डॉक्टर सुखदेव कम्बोज ने बताया कि सिरसा जिले में इस बार किसानों को जागरूक करने के लिए विभाग की ओर से अलग-अलग जगह पर अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्कूलों में एक और जहां जागरूकता रैलियां निकाल किसानों और ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है तो वहीं कृषि विभाग के अधिकारी भी धरातल पर उतरकर किसानों को जागरूक कर रहे हैं। यही कारण है कि इस बार पिछले सालों के मुकाबले कम मामले

सामने आए हैं। कृषि उप निदेशक ने बताया कि सिरसा जिले में इस बार 3,91,000 हेक्टेयर में धान की रोपाई की गई है, जिसकी अब तक लगभग 25 प्रतिशत तक कटाई की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों की अलग-अलग गांव में ड्यूटी भी लगाई गई है। उन्होंने बताया कि गांव स्तर पर ग्रीन और येलो एरिया में हर 50 किसानों पर एक नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया गया है। वहीं, ग्रीन जोन ग्रामीण स्तर पर हर 100 किसानों पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है और गांव में टीमों की ओर से प्रचार प्रसार किया जा रहा है और किसानों को जागरूक भी किया जा रहा है। पराली जलाने पर 5 किसानों पर FIR उन्होंने बताया कि इसको लेकर किसान जागरूक भी हुए हैं लेकिन कुछ किसानों द्वारा एक-दो स्थानों पर आगजनी की सूचना मिलने पर अभी तक कुल पांच किसानों पर एफआईआर दर्ज की गई है और उन पर 25000 जुर्माना भी किया गया है साथ ही उन किसानों की रेड एंट्री की गई है, जिससे वह किसान सरकार द्वारा दी जा रही योजनाओं का लाभ न ले सके। उन्होंने बताया कि इस बार जिन किसानों ने फसल के अवशेष जलाए हैं। उनकी रेड एंट्री पंजीकरण पर हुई है जिससे किसान सरकार की योजनाओं का लाभ दो साल तक नहीं उठा पाएंगे। उप निदेशक ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि अभी 75% धान की कटाई बाकी है किसान पराली के अवशेष न जलाकर सरकार द्वारा दी जा रही योजनाओं का लाभ अवश्य उठाएं। फसल के अवशेष आसानी से बेच सकते हैं इस बार धान के अवशेषों की मांग ज्यादा है और 175 रुपए से लेकर 200 पराली बिक रही है।

सोनीपत में दर्दनाक हादसा, ट्रैक्टर के नीचे दबने से 2 किसानों की मौत, खेत में पानी लगाने जा रहे थे दोनों

सोनीपत : सोनीपत के गांव चिटाना खेतों की ओर जा रहे दो किसानों की ट्रैक्टर पलटने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसा देर रात गांव चिटाना के पास उस समय हुआ, जब सामने से आ रही क्रेटा गाड़ी की तेज एलईडी लाइट ट्रैक्टर चालक की आंखों में पड़ गई। दृश्यता खत्म होने से ट्रैक्टर असंतुलित होकर खेत में पलट गया। मृतकों की पहचान गांव चिटाना निवासी 39 वर्षीय मनोज और 25 वर्षीय योगेश के रूप में हुई है। दोनों नहरी पानी लगाने के लिए खेत जा रहे थे। ट्रैक्टर खेत में पलटा तो दोनों नीचे दब गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने शवों को बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दी। जानकारी के अनुसार सोनीपत के गांव चिटाना के रहने वाले दो किसान योगेश और मनोज अपने प्रवासी मजदूर के साथ ट्रैक्टर से खेतो की तरफ जा रहे थे लेकिन जैसे ही वो गांव से बाहर

निकले तो सामने से आ रही एक कार की रोशनी मनोज की आंखों में लगी और उनका ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खेतो में जा गिरा, इस हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उनका प्रवासी मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया, मोहाना थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।ग्रामीणों के अनुसार मनोज के पास एक बेटा है और खेती से ही परिवार का भरण-पोषण चल रहा था। वहीं, योगेश 12वीं के बाद खेती कर रहा था, उसका बड़ा भाई दिल्ली पुलिस में है। दोनों की मौत से गांव में शोक की लहर है। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता रविंद्र कुमार ने बताया कि गांव चिटाना के रहने वाले दो किसान योगेश और मनोज की ट्रैक्टर पलटने से मौत हो गई है, इस हादसे की गंभीरता से जांच की जा रही है आखिरकार यह हादसा कैसे हुआ।

चलती ट्रेन में यात्री से मारपीट, फिर नीचे उतारा... वेंडर व सुपरवाइजर पर केस

हिसारः हिसार रेलवे स्टेशन से बहादुरगढ़ जाने के - लिए गोरखधाम एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच में सवार चूरू के धानौठी छोटी वासी प्रदीप ने रेलवे वेंडर रामकुमार व सुपरवाइजर मंजेस पर मारपीट करके फोन छीनने की कोशिश करने और चलती ट्रेन से नीचे उतारने के आरोप में केस दर्ज करवाया है। इस घटना के दौरान ट्रेन - से गिरकर सुपरवाइजर भी चोटिल हो गया। शिकायत में प्रदीप ने बताया कि 21 अक्टूबर की शाम 4:30 बजे उक्त ट्रेन में सवार हुआ था। उसकी सीट पर पानी की बोतलों की पेटियां रखी हुई थी। तभी वहां रेलवे वेंडर पानी की पेटी लेने आया जिसे कहा कि यहां से सभी पेटियां उठा लें। बोतलों से पानी निकलने के कारण हमारे कपड़े गीले हो रहे हैं। आरोप है कि वेंडर ने तर्क दिया कि

यह रेलवे की संपत्ति है और हम पेटियां नहीं उठाएंगे। ऐसे में हेल्पलाइन नंबर 139 पर शिकायत दर्ज करवा दी। जैसे ही भिवानी स्टेशन पहुंचे, वहां आरपीएफ में एचसी शंकर ने ऑनलाइन शिकायत पर संज्ञान लेकर ट्रेन से पानी की सभी पेटियों को नीचे उतार लिया। कुछ समय बाद सुपरवाइजर मंजेस ने आकर बहस की। जब कलानौर रेलवे स्टेशन के नजदीक पहुंचे तो उक्त दोनों शिकायत करने पर कहासुनी करते हुए थप्पड़ मारने लगे। उन्होंने स्टेशन पर चलती गाड़ी से नीचे उतार दिया और फोन छीनने का प्रयास किया। आरोप है कि दोनों से अन्य यात्रियों ने बचा लिया और मंजेस नीचे गिर गया और उसके सिर में चोट लग गई। यह देख पुनः 139 पर शिकायत दर्ज करवा दी। रोहतक रेलवे स्टेशन पर रेलवे पुलिस ने आकर बचाव किया। सुपरवाइजर को काबू कर लिया लेकिन वेंडर मौके से भाग गया। पुलिस ने 62, 115(2), 304, 351(2), 3(5) व 145 रेलवे अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया।

सावधान बड़े साहब दौरे पर हैं... हरियाणा के पुलिस महानिदेशक ओ पी सिंह का हरियाणा में विशेष ऑपरेशन

यमुनानगर : हरियाणा के पुलिस महानिदेशक ओ पी सिंह देर रात हरियाणा के दौरे पर निकले । उन्होंने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक से सतर्कता बढ़ाने की आदेश दिए हैं। आपने एक्स पर उन्होंने लिखा है कि 35 मिनट में उन्होंने 50 किलोमीटर का सफर किया। यमुनानगर से पंचकूला रोड । इस दौरान ड्यूटी पर मात्र एक पुलिस की गाड़ी मिली लेकिन उसमें से भी कोई बाहर नहीं था। उन्होंने आगे लिखा कि अगले चार घंटे में नाईट पेट्रोलिंग पर हूं। मैं 112 vehicle, पुलिस चौकी, थाना और इंटर-स्टेट एवं इंटर-डिस्ट्रिक्ट नाके पर लगे पुलिस कर्मियों की उपस्थिति, कार्य स्थिति एवं दिक्कतों के बारे में जानना चाहूँगा। उन्होंने सभी जिलों के एसपी एवं सीपी को ऐसा ही करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि 11 बजे से पहले 200

शब्दों में मुझे ये बताये कि उन्होंने क्या कमियाँ पाई और उसे ठीक करने के लिए वे क्या करेंगे। इसी बीच पुलिस महानिदेशक ओ पी सिंह यमुनानगर पहुंचे। जहां उन्होंने पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल के साथ उत्तर प्रदेश हरियाणा सीमा पर कलानौर पुलिस चौकी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने दोनों राज्यों की सीमा पर सुरक्षा बढ़ाने और हर आने जाने वाले वाहन पर नजर रखने के आदेश दिए। पुलिस महानिदेशक के इस दौरे के बाद सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक दौरे पर हैं। क्योंकि उन्हें 11 बजे तक पुलिस महानिदेशक को रिपोर्ट देनी है कि उन्होंने कहां-कहां दौरा किया और क्या कमियां पाई उनका क्या समाधान है।

पंचकूला में डेरा ब्यास की जमीन पर लगे पेड़ गायब, एनजीटी ने मांगा जवाब

पंचकूलाः पंचकूला के बीर घग्गर स्थित राधा स्वामी सत्संग ब्यास डेरा में लगे देशी प्रजाति के हजारों पेड़ों की कटाई कर दी गई है। इसका खुलासा राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की ओर से गठित कमेटी की रिपोर्ट में हुआ है।

एनजीटी ने अब इस मामले में पर्यावरण मंत्रालय, हरियाणा सरकार के वन विभाग, डेरा ब्यास और शिकायतकर्ता से जवाब मांगा है। वहीं, शिकायतकर्ता गौरव शर्मा ने आरोप लगाया है कि जब से उसने शिकायत की है उसे लगातार धमकियां दी जा रही हैं। इस पर एनजीटी ने संबंधित अथॉरिटी को निर्देश दिए कि ट्रिब्यूनल में शिकायत देने के कारण आवेदक को परेशान न किया जाए। हालांकि इन धमकियों के बाद गौरव को हरियाणा पुलिस से सुरक्षा मिल गई है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 19 जनवरी को होगी।

साल 1998 में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने ब्यास डेरा को पंचकूला के बीर घग्गर में 40 एकड़ जमीन हस्तांतरित की थी। जब यह जमीन हस्तांतरित की गई थी तो तब इस भूमि पर देशी प्रजातियों के 4,322 पेड़ और 1,128 पौधे लगे थे। इनमें खैर के 2,106 पेड़, सागौन के 136, शीशम के 721, यूकेलिप्टस की 199 और कीकर के 723 पेड़ थे। भूमि हस्तांतरण के समय मंत्रालय ने शर्त रखी थी कि यहां सिर्फ पौधरोपण किया जाएगा। कोई निर्माण नहीं होगा। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस भूमि पर लगे पेड़ों की कटाई कर दी गई है और भूमि पर अवैध निर्माण भी किया गया है। शिकायत पर एनजीटी ने भूमि के निरीक्षण व जांच के लिए सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश बीएम बेदी की अध्यक्षता में समिति गठित की।इस समिति में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के वन उप महानिदेशक सत्य प्रकाश नेगी और अंबाला के उत्तरी सर्किल के वन संरक्षक जितेंद्र अहलावत सदस्य थे।

कृष्ण लाल पंवार व विपुल गोयल बिहार चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे पटना, नायब सैनी को भी मिली बड़ी जिम्मेदारी

चंडीगढ़ : बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार हेतु हरियाणा के केबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार और केबिनेट मंत्री विपुल गोयल बिहार पहुंचे। यह आगामी 10-12 दिनों तक बिहार में दरभंगा, बेनीपुर, अलीनगर सहित अन्य विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार-प्रसार करेंगे। पंवार ने दावा किया है कि यह चुनाव भाजपा के लिए ऐतिहासिक विजय का साक्षी बनेगा। "बिहार में भाजपा ने 101 से ज्यादा उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है। बिहार में पहले चरण का चुनाव छह नवंबर को होगा। ऐसे में भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। हाईकमान ने इसके लिए हरियाणा समेत अन्य राज्यों के भाजपा नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। हरियाणा में भाजपा ने केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुज्जर, कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह, निकाय मंत्री विपुल गोयल, खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर, खेल मंत्री गौरव गौतम, विधायक ओम प्रकाश यादव, विधायक मुकेश शर्मा, विधायक सतीश कुमार फागना, विधायक धनेश अदलखा, पूर्व मंत्री जेपी दलाल, पूर्व मंत्री अभय सिंह यादव, पूर्व मंत्री असीम गोयल, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला समेत अन्य लोग शामिल हैं। इनमें से कुछ मंत्री बिहार का दौरा कर चुके हैं, जबकि कई अन्य विधायकों व मंत्रियों को

बाद में जिम्मेदारी दी जा सकती है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पहले भी अन्य राज्यों के चुनाव में जिम्मेदारी मिलती रही है। पिछले साल धमाकेदार जीत के बाद पार्टी ने नायब सिंह सैनी को महाराष्ट्र और दिल्ली चुनाव में अहम भूमिका दी थी। दिल्ली में तो उन्होंने बहुत ही मुखर होकर चुनाव प्रचार किया था। उन्होंने चुनाव प्रचार में प्रदूषित यमुना का मुद्दा बनाकर इसे चर्चा में ला दिया था। अब बिहार चुनाव में भी उन्हें अहम जिम्मेदारी दी गई है।" हरियाणा के केबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी बिहार चुनाव अभियान के दौरान पटना पार्टी कार्यालय पहुंचे ।जहां पहुंचने पर उनका बिहार भाजपा कार्यकताओं द्वारा स्वागत किया गया। गौर तलब है कि बेदी दीपावली से पहले भी बिहार चुनावों में समय लगा कर आए हैं। गौरतलब है कि बिहार चुनावों में हरियाणा के सी एम नायब सिंह सैनी भी कई जनसभाओं को संबोधित करने जा रहे हैं ।वह भी दीपावली से पहले बिहार होकर आए हैं।"इसके अलावा महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस, मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव,दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता भी सभा कर चुके हैं। पीएम मोदी 24 अक्तूबर से अपनी चुनावी सभा की शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्री कपूरी ठाकुर की गांव से करेंगे।" एनडीए गठबंधन में भाजपा, जदयू , चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी , जीतन राम मांझी की और उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी शामिल हैं। भाजपा को 101 सीटें, जदयू को 101 सीटें, चिराग पासवान की पार्टी को 29 सीटें, जबकि मांझी और कुशवाहा की पार्टियों को 6-6 सीटें मिली हैं। कृष्ण बेदी का दावा है कि बिहार में पूरे देश की तरह देश के पी एम नरेंद्र मोदी का जादू जनता में है ।बिहार में भाजपा जिन सीटों पर चुनाव लड़ रही है सभी सीटें जीत कर मोदी जी की झोली में डालेगी। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री समेत कई मंत्रियों को जिम्मेदारी दी गई है। इनमें कुछ मंत्री बिहार का दौरा वापस करके आ गए हैं

दिवाली के बाद हवा बनी जहर, AQI 421 पर पहुँचा, किसानों पर पराली केस.... खाप ने उठाए सवाल

जींदः दिवाली की रौनक अभी ठंडी भी न हुई थी कि जींद की हवा जहरीली हो चुकी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, मंगलवार शाम तक शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 421 तक पहुँच गया, जो 'गंभीर' श्रेणी में है। यह देश का सबसे प्रदूषित शहर बन गया, जबकि रेवाड़ी के धारूहेड़ा में AQI 412 दर्ज किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि पटाखों का धुआँ और हवा में ठहराव मुख्य कारण हैं। हरियाणा के 22 शहरों में अदक 'खराब' से 'गंभीर' स्तर पर पहुँच गया, जिससे ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP-2) लागू हो गया। निर्माण कार्य सीमित हो गए हैं और प्रदूषण स्त्रोतों पर निगरानी तेज कर दी गई है।

बिना लाइसेंस के 4 करोड़ के जले पटाखें

दिवाली से पहले जींद जिले में अवैध पटाखों की बिक्री चरम पर थी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बिना लाइसेंस के बिना लाइसेंस के 4 करोड़ के पटाखें जले हैं, जो मुख्य रूप से पड़ोसी राज्यों से लाए गए थे। सुप्रीम कोर्ट के निदेशों के बावजूद 'ग्रीन पटाखों' की सीमित अनुमति का उल्लंघन हुआ। जिला प्रशासन ने कई दुकानों पर छापेमारी की, लेकिन अवैध व्यापारियों ने सड़कों और फुटपाथों पर बिक्री जारी रखी। इससे न केवल प्रदूषण बढ़ा, बल्कि

आगजनी का खतरा भी मंडराया। पुलिस ने चेतावनी दी है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी, जिसमें सामान जब्ती और जुमार्ना शामिल है। किसानों पर पराली जलाने के 3 मुकदमेजींद जिले में फसल अवशेष जलाने के 3 मामले सामने आए हैं। सफीदों सदर थाना पुलिस ने मुआना गांव के साहब सिंह के खिलाफ 19 अक्तूबर को फसल अवशेष जलाने का मामला कृषि अधिकारी अमित वर्मा की शिकायत पर दर्ज किया है। जींद सदर थाना पुलिस ने बड़ौदी गांव के रविंद्र के खिलाफ 20 अक्तूबर को फसल अवशेष जलाने का मामला कृषि विभाग में सहायक तकनीकी प्रबंधक ऋषि पाल की शिकायत पर दर्ज किया है जबकि नरवाना सदर थाना पुलिस ने दनौदा कलां गांव के किसान पवन के खिलाफ 11 अक्तूबर को फसल अवशेष जलाने का मामला दर्ज किया है। माजरा खाप का तीखा प्रहारः 'सरकार किसानों को बदनाम कर रही, पटाखों पर क्यों चुप? 'इस कार्रवाई पर माजरा खाप के प्रेस प्रवक्ता ने सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, "सरकार किसानों को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। जब सरकार पटाखे जलाने की इजाजत दे सकती है, तो किसानों को भी पराली जलाने की इजाजत देनी चाहिए।" प्रवक्ता ने सवाल उठाया कि सैटेलाइट से किसानों की जलती पराली तो दिखाई देती है, लेकिन कंपनियों का धुआँ या दिवाली के पटाखों का धुआँ ट्रैक करने के लिए कोई सैटेलाइट क्यों नहीं? "अब कोई किसान पराली नहीं जलाता, लेकिन सरकार केवल किसानों को निशाना बना रही है।"

क्या कहते हैं विशेषज्ञ? वायु गुणवत्ता विशेषज्ञों का मानना है कि पटाखों से PM2.5 का स्तर 675 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर तक पहुँच गया, जो 2021 के बाद सबसे अधिक है। पराली जलाने का योगदान 20-30% है, जबकि वाहन उत्सर्जन और उद्योग 50% से अधिक। सुप्रीम कोर्ट ने भी राज्यों को चेतावनी दी है कि किसानों पर सख्ती के साथ वैकल्पिक प्रबंधन (जैसे सुपर एसएमएस मशीन) को बढ़ावा दें।

हरियाणा की आंगनबाड़ियों में अब डाइट डॉक्टर तय करेंगी बच्चों की थाली! कम नमक, तेल और चीनी पर होगा फोकस

हरियाणाः हरियाणा की आंगनबाड़ियों में अब बच्चों और माताओं के आहार का निर्धारण विशेषज्ञों के हाथों में होगा। महिला एवं बाल विकास विभाग (WCD) में न्यूट्रिशनिस्ट के पदों पर भर्ती के लिए हरियाणा लोक सेवा आयोग ने परीक्षा की तैयारी तेज कर दी है। आयोग ने न सिर्फ परीक्षा की तिथि तय करने की दिशा में कदम बढ़ाया है, बल्कि नया परीक्षा पाठ्यक्रम (सिलेबस) भी जारी किया है। इस भर्ती का उद्देश्य प्रदेश के बच्चों और गर्भवती व स्तनपान कराने वाली महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार करना है। अब न्यूट्रिशनिस्ट आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों और महिलाओं के लिए संतुलित आहार तय करेंगे जिसमें स्थानीय और सस्ते खाद्य पदार्थों से पौष्टिक भोजन तैयार करने पर जोर रहेगा। इस परीक्षा और नियुक्ति के बाद राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर आंगनबाड़ी में एक प्रशिक्षित पोषण विशेषज्ञ तैनात हो, जो माताओं और बच्चों की डाइट को वैज्ञानिक आधार पर सुधार सके। विशेषज्ञ मानते हैं कि इससे राज्य में कुपोषण दर में कमी आएगी और स्मार्ट न्यूट्रिशन के मॉडल को जमीनी स्तर पर लागू किया जा सकेगा। यह पद केवल महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। पात्रता के लिए एमएससी (गृह विज्ञान) की डिग्री अनिवार्य रखी गई है। एचपीएससी ने बताया कि परीक्षा में नॉलेज एंड स्क्रीनिंग टेस्ट दोनों शामिल होंगे, जिनका उद्देश्य ऐसे उम्मीदवारों का चयन करना है जो न सिर्फ सैद्धांतिक ज्ञान रखती हों, बल्कि मैदान में व्यावहारिक रूप से आंगनबाड़ी स्तर पर बदलाव ला सकें।

मनोहर लाल ने पुश्तैनी जमीन बेचकर एक करोड़ पीएम राहत कोष में दान देना का ऐलान, अब बनेगा माँ शांति देवी पुस्तकालय

चंडीगढ़ : केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी आवासन मंत्री तथा हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रोहतक जिले में स्थित अपने पुश्तैनी गाँव बनियानी में करीब डेढ़ एकड़ जमीन को बेचकर मिली धनराशि प्रधानमंत्री राहत कोष में देने का ऐलान किया है। गाँव बनियानी में मनोहर लाल की

पुश्तैनी जमीन में से करीब डेढ़ एकड़ उनके हिस्से में आई थी। मनोहर लाल ने यह जमीन बेच दी है। जिसकी एवज में उन्हें करीब एक करोड़ रुपए मिले हैं। इसके अलावा मनोहर लाल ने अपना पुश्तैनी घर माँ शांति देवी पुस्तकालय के नाम पर दान करने का ऐलान किया है। मनोहर लाल के इस आवास को पुस्तकालय में बदला जाएगा जहां ग्रामीण अंचल के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल मिलेगा। इससे पहले भी केंद्रीय मंत्री अपने हिस्से की जमीन बेचकर प्रधानमंत्री राहत कोष में सहयोग किया था।

3 महीने पहले की थी 18 वर्षीय युवती ने लव मैरिज, अब कर दी अपनी जिंदगी खत्म

जींद,ः जींद के अलेवा क्षेत्र में 18 वर्षीय एक नवविवाहित महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में जहर निगलने से मौत हो गई। मृतका की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी हीना के हुई है। उसने 3 महीने पहले ही लव मैरिज की थी। महिला के मायके वालों ने ससुरालजनों पर जबरदस्ती जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। अस्पताल में दोनों पक्षों में बहस भी हुई। जानकारी अनुसार हीना ने 3 महीने पहले कलीम के साथ प्रेम विवाह हुआ था। शादी के बाद हीना अपने ससुरालजनों के साथ जींद के गांव चूहड़पुर में रह रही थी। वहां पर कलीम के परिवार ने अमरूद के बाग का ठेका लिया हुआ था। सारा परिवार यहीं रह रहा था। हीना ने गत दिवस संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ निगल लिया। उसे इलाज के लिए जींद शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां पर इलाज दौरान उसकी मौत हो गई। बहन रूबिना ने आरोप लगाया है कि हीना को उसके ससुरालजनों ने जबरदस्ती जहर दिया। अलेवा थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच बहस भी हुई। वही अलेवा थाना प्रभारी आत्मा राम ने बताया कि मृतका के परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाए हैं। पुलिस ने इत्तेफाकिया कार्रवाई कर शव पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

हरियाणा में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हुई सख्ती, राज्य महिला आयोग ने लिए तीन बड़े फैसले

चंडीगढ़ः महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हरियाणा राज्य महिला आयोग ने तीन बड़े फैसले लिए हैं। इनमें राज्य के हर जिम में महिला ट्रेनर और विश्वविद्यालय, कॉलेज या संस्थान में रात में काम करने वाली महिला कर्मचारियों के लाने-ले जाने वाली कैब में महिला ड्राइवर अनिवार्य होगी। इसके अलावा इच्छुक महिलाओं को कैब ड्राइविंग का प्रशिक्षण भी आयोग की तरफ से निशुल्क दिलाया जाएगा। आयोग ने साफ किया है कि आदेशों की अवहेलना करने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने सख्त रुख अपनाया है।हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने बताया कि राज्य के सभी जिम में अब कम से कम एक महिला प्रशिक्षक का होना अनिवार्य होगा। आयोग के मुताबिक इससे महिलाओं की सुरक्षा, गोपनीयता और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। राज्य महिला आयोग ने तय किया है कि प्रदेश की इच्छुक महिलाओं को कैब ड्राइविंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और परिवहन क्षेत्र में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना है। आयोग का मानना है कि रात में सफर करने वाली महिलाओं के लिए यह कदम सुरक्षा कवच साबित होगा। रेनू भाटिया ने बताया कि दिल्ली और केरल में महिलाओं को ऑटो और टैक्सी ड्राइविंग की ट्रेनिंग दी जाती रही है। इन्हीं अनुभवों से प्रेरणा लेते हुए हरियाणा महिला आयोग ने इस दिशा में ठोस कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि आयोग का यह फैसला साफ संदेश देता है कि अब महिलाओं की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं होगा। आयोग सोमवार तक इन तीनों फैसलों पर लिखित आदेश जारी करेगा।जिम में महिला प्रशिक्षक होने से महिलाएं सहज महसूस करेंगी और अपनी फिटनेस पर खुलकर ध्यान दे सकेंगी। कई बार जिम में महिलाओं के साथ अभद्रता या छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आती हैं। नई व्यवस्था लागू होने से ऐसी घटनाओं में कमी आ सकेगी। उन्होंने कहा कि महिला कर्मचारियों को लाने-ले जाने वाली कैब में महिला चालक होने से उन महिलाओं को राहत मिलेगी जो देर रात तक काम करती हैं। इससे कामकाजी महिलाओं में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी और महिलाएं निर्भय निर्भय होकर कार्यस्थल पर अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सकेंगी।

संक्षिप्त समाचार

हमास ने इस्राइल को दो और शव लौटाए

गाजा, एजेंसी। इस्राइली सेना के अनुसार, हमास ने गाजा में दो और बंधकों के शव रेड क्रॉस को सौंप दिए हैं। 10 अक्तूबर से शुरू हुई युद्धविराम अवधि के बाद अब तक 13 बंधकों के अवशेष इस्राइल को लौटाए जा चुके हैं। इन दो शवों के आने के बाद भी 13 और बंधकों के अवशेष गाजा में शेष हैं। इस्राइल दौरे पर पहुंचे अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने बंधकों की वापसी की धीमी गति पर धैर्य रखने की अपील की, यह कहते हुए कि कई बंधक मलबे में दबे हैं या लापता हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस्राइल प्रत्येक मृत बंधक के बदले 15 फलस्तीनियों के शव लौटा रहा है।

गलतफहमी में ओमाहा लौटा लॉस एंजिलिस जा रहा अमेरिकी जेट

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका में एक जेट विमान में सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब पायलटों को लगा कि कोई शख्स कॉकपिट में घुसने की कोशिश कर रहा है। विमान ओमाहा से लॉस एंजिलिस जा रहा था लेकिन उड़ान भरने के महज 40 मिनट के भीतर ही वह ओमाहा हवाईअड्डे लौट आया। एयरलाइंस के एक प्रवक्ता ने बताया कि उड़ान संख्या 6469 में यह गलतफहमी इसलिए हुई क्योंकि पायलट और फ्लाइट अटेंडेंट एक-दूसरे से बात करने के लिए जिस इंटरकॉम का इस्तेमाल करते हैं, वह गलती से चालू रह गया था।

पाक सैन्य कार्रवाई के खिलाफ बीएनएम का जर्मनी में प्रदर्शन

बर्लिन, एजेंसी। बलूचिस्तान में पाकिस्तान की सेना की ओर से जारी दमन के खिलाफ बलोच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) ने जर्मनी के हनोवर में बड़ा प्रदर्शन किया। इस दौरान बलोच कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान की सेना पर बलूचिस्तान में नरसंहार का गंभीर आरोप लगाया। बीएनएम ने एक बयान में कहा कि यह विरोध पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाइयों, ड्रोन हमलों और मानवाधिकार हनन के खिलाफ था। प्रदर्शनकारियों ने वैश्विक समुदाय से पीड़ितों के लिए न्याय और सैन्य कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

काकाओ कॉर्प संस्थापक किम को राहत, शेयर हेरफेर के आरोपों से बरी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने काकाओ कॉर्प के संस्थापक किम बेओम-सू को शेयर हेरफेर के आरोपों से बरी कर दिया है। काकाओ कॉर्प, लोकप्रिय मैसेंजर एप का संचालन करती है। अदालत के एक प्रवक्ता ने बताया किम को पिछले साल जुलाई में एसएम एंटरटेनमेंट के शेयर मूल्य में हेरफेर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था ताकि 2023 में एक प्रतिद्वंद्वी कंपनी हाइब को इसे खरीदने से रोका जा सके।

नेतन्याहू ने राइख को बनाया राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की नियुक्ति की है। उन्होंने त्जाची हानेगबी की जगह राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के उपप्रमुख गिल राइख को कार्यवाहक प्रमुख बनाया है। पीएम कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले तीन वर्षों तक राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुख के रूप में त्जाची हानेगबी की सेवाओं के लिए उनका धन्यवाद किया है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। हानेगबी ने 2022 से यह जिम्मेदारी संभाली थी।

हसीना शासन में भारत से हुए समझौतों में सिर्फ एक रद्द हुआ : विदेश मामलों के सलाहकार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार एम तौहीद हुसैन ने कहा है कि शेख हसीना के शासन में भारत के साथ हुए समझौतों में से केवल एक ही समझौता रद्द किया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैल रही 10 समझौते रद्द होने की खबर को खारिज किया। पूर्व विदेश सचिव रह चुके हुसैन ने बताया कि रद्द किया गया समझौता भारत से तुगबोट खरीदने का था। जांच में हमने पाया कि यह परियोजना बांग्लादेश के लिए लाभकारी नहीं थी। इसे ढाका और नई दिल्ली की आपसी सहमति से रद्द किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार अदाणी पावर खरीद समझौता और भारत की लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत चल रहे अन्य प्रोजेक्टों की समीक्षा कर रही है।

रामानुजन के नाम पर भारत और ब्रिटेन में नई वैज्ञानिक साझेदारी शुरू

लंदन, एजेंसी। भारत और ब्रिटेन के बीच विज्ञान के क्षेत्र में नई साझेदारी की शुरुआत हुई है। भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की मदद से रामानुजन जूनियर रिसर्चर्स प्रोग्राम ब्रिटिश की राजधानी स्थित लंदन इंस्टीट्यूट फॉर मैथमेटिकल साइंसेज में शुरू किया गया है। यह कार्यक्रम भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन और ब्रिटिश गणितज्ञ जीएच हार्डी की ऐतिहासिक दोस्ती से प्रेरित है।

मलेशिया में ट्रंप का हो रहा भारी विरोध 20 संगठनों का 3 घंटे तक प्रदर्शन

क्वालालम्पुर , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह 26 अक्टूबर को मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर में आसियान शिखर सम्मेलन में शिरकत करने जाएंगे। मलेशिया ने उन्हें विशेष तौर पर आमंत्रित किया है। संभावना है कि इस दौरान उनकी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हो। अगर ऐसा होता है तो टैरिफ विवाद के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली मुलाकात होगी। 26 से 28 अक्टूबर के बीच क्वालालम्पुर में 47वीं आसियान शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया है। दूसरी तरफ, मलेशिया के कई संगठनों ने अमेरिकी राष्ट्रपति का विरोध करने का फैसला किया है। मलय मेल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 20 से ज्यादा नागरिक संगठनों ने 26 अक्टूबर को क्वालालम्पुर के अम्पांग पार्क में अमेरिकी राष्ट्रपति का विरोध करने की योजना बनाई है। अपनी योजना को आगे बढ़ाते हुए 20 संगठनों के इस समूह ने कहा है कि 26 अक्टूबर यानी रविवार को वे सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक ट्रम्प, आपका मलेशिया में स्वागत नहीं है शीर्षक से एक सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन आयोजित करेंगे।

विरोध-प्रदर्शन को 20 से ज्यादा संगठनों का समर्थन : बीडीएस मलेशिया के इंस्टाग्राम पेज पर साझा की गई प्रचार सामग्री के अनुसार, इस रैली को मुदा, पेजुआंग, अंगकाटन बेलिया इस्लाम मलेशिया और मलेशियाई इस्लामिक संगठनों की परामर्शदात्री परिषद (मैपिम) समेत 20 से अधिक सहभागी संगठनों का समर्थन प्राप्त है।

प्रदर्शनकारियों के लिए टूलकिट जारी

विरोध-प्रदर्शन के आयोजकों ने प्रदर्शनकारियों के लिए एक टूलकिट भी जारी किया है, जिसमें कानूनी जानकारी दी गई है। उसमें विरोध-प्रदर्शन के प्रतिभागियों को उनके अधिकारों के बारे में बताया गया है और कहा गया है कि अगर उनसे पूछताछ की जाती है, या उन्हें गिरफ्तार किया जाता है, या पुलिस को बयान देने के लिए कहा जाता है तो क्या करना है। टूलकिट में कहा गया है कि प्रदर्शनकारियों को कानूनी सलाह लेने और आत्म-दोष से जुड़े सवालों का जवाब देने से इनकार करने का अधिकार है। सलाह में प्रदर्शनकारियों से यह भी आग्रह किया गया है कि अगर उन्हें हिरासत में लिया जाता है तो वे शांत रहें, सहायता के लिए किसी निर्दिष्ट कानूनी हेल्पलाइन से संपर्क करें, और पुलिस के खाली बयानों पर हस्ताक्षर करने से बचें।

ट्रंप से क्यों खफा मुस्लिम देश के लोग

सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होने वाले इस प्रदर्शन का उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का खुला विरोध करना है। यह विरोध प्रदर्शन फिलिस्तीन और मध्य पूर्व के प्रति ट्रम्प की नीतियों और बयानों की आलोचना के बीच हो रहा है। माना जा रहा है कि गाजा पट्टी में इजरायली कार्रवाई का समर्थन करने की वजह से मलेशियाई नागरिक संगठन ट्रंप का विरोध कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और संयुक्त राष्ट्र आयोग द्वारा नरसंहार बताए जा रहे गाजा पर इजरायल के युद्ध में अक्टूबर 2023 से अब तक करीब 68,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 170,200 फिलिस्तीनी घायल हुए हैं।

प्रधानमंत्री पर जानलेवा हमले के आरोपी को 21 साल की जेल, रूस का समर्थन करने से गुस्से में था

ब्रातीस्लावा, एजेंसी। स्लोवाकिया की एक अदालत ने मंगलवार को देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की हत्या की कोशिश करने के आरोपी व्यक्ति को आतंकवादी हमले का दोषी ठहराया और उसे 21 साल की जेल की सजा सुनाई। इस घटना ने यूरोप के इस छोटे से देश को झकझोर कर रख दिया। दरअसल स्लोवाकिया को पश्चिमी देशों की बजाय रूस के करीब ले जाने के लिए रॉबर्ट फिको की आलोचना की जाती है।

बीते साल प्रधानमंत्री पर हुआ हमला : जुराज सिंटुला ने 15 मई, 2024 को प्रधानमंत्री रॉबर्ट फीको पर उस समय गोलीबारी की, जब वे राजधानी ब्रातिस्लावा से लगभग 140 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में हैंडलोवा शहर में एक कार्यक्रम के बाद समर्थकों का अभिवादन कर रहे थे। 72 वर्षीय सिंटुला को हमले के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया और हिरासत में भेज दिया गया। हालांकि जांचकर्ताओं द्वारा पूछताछ में सिंटुला ने खुद के आतंकवादी होने के आरोपों से इनकार कर दिया।

अदालत ने आरोपी की उम्र देखते हुए दी 21 साल की सजा : हमले में फिको को पेट में गोली लगी थी और उन्हें हैंडलोवा से पास के शहर बांस्का बिस्त्रिका के एक अस्पताल ले जाया गया। जहां उनकी पांच घंटे की सर्जरी हुई, उसके दो दिन बाद उनका एक और ऑपरेशन

किया गया। फिलहाल वे ठीक हैं। सिंटूला ने बताया कि वह सरकार की नीतियों से असहमत था। हालांकि सरकारी वकील ने कहा कि यह हमला किसी आम नागरिक पर नहीं बल्कि देश के प्रधानमंत्री पर था। आरोपी ने लोगों से सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए उकसाया। वकीलों ने आरोपी सिंटुला के लिए उम्रकैद की मांग की, लेकिन अदालत ने सिंटुला की उम्र और कोई आपराधिक रिकॉर्ड न होने को देखते हुए उसे 21 साल जेल की सजा सुनाई।

यूक्रेन की सैन्य सहायता बंद करने से नाराज : अदालती सुनवाई के दौरान अपनी गवाही में सिंटुला ने कहा कि वह फिको की नीतियों से असहमत हैं, जिनमें भ्रष्टाचार से निपटने वाले विशेष अभियोजन कार्यालय को रद्द करना, यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता बंद करना और संस्कृति के प्रति सरकार का रवैया शामिल है। उसने गवाही में कहा, मैंने प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने का फैसला किया था, लेकिन मेरा किसी की हत्या करने का कोई इरादा नहीं था।

अमेरिका के व्योमिंग में स्टेट कैपिटल बिल्डिंग में मिला संदिग्ध विस्फोटक, खाली कराई गई पूरी इमारत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के व्योमिंग राज्य की स्टेट कैपिटल (विधानसभा) में संदिग्ध विस्फोटक मिलने के बाद इमारत को खाली करा लिया गया। जिस समय विस्फोटक बरामद हुआ, उस समय व्योमिंग के गवर्नर मार्क गॉर्डन भी स्टेट कैपिटल में मौजूद थे और विस्फोटक मिलने की जानकारी मिलते ही गवर्नर समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को सुरक्षित इमारत से निकाल लिया गया।

स्टेट कैपिटल में ही है गवर्नर का कार्यालय: व्योमिंग कैपिटल में राज्य गवर्नर का कार्यालय भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि एक व्यक्ति को इमारत के सामने एक संदिग्ध विस्फोटक मिला और वह उसे इमारत के अंदर ले आया। पुलिस ने व्यक्ति की पहचान उजागर नहीं की है। कैपिटल की सुरक्षा करने वाले व्योमिंग हाईवे पेट्रोल के एक बयान के अनुसार, इमारत की सीढ़ियों और सड़क के बीच स्टेट सील पर उपकरण मिलने के बाद परिसर की ड्रोन और बम-सूंघने वाले कुत्तों की मदद से तलाशी ली गई। इसके बाद इमारत को खाली कराया गया।

स्टेट कैपिटल के आस-पास की सड़कों को बंद किया गया : व्योमिंग हाईवे पेट्रोल के प्रवक्ता आरोन ब्राउन ने बताया कि अधिकारियों ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि क्या मिला, सिवाय इसके कि यह संदिग्ध विस्फोटक घर में बना हुआ है और यह सैन्य गोला-बारूद जैसा है। ब्राउन ने कहा, यह असली है या नहीं, जानकारी नहीं है लेकिन हमारी सबसे बड़ी चिंता जनता की सुरक्षा है। पुलिस ने आस-पास की सड़कों को यातायात के लिए बंद कर दिया था, लेकिन शाम तक उन्हें फिर से खोल दिया गया। व्योमिंग कैपिटल में गवर्नर, राज्य सचिव, राज्य लेखा परीक्षक, राज्य लोक शिक्षण अधीक्षक और अटॉर्नी जनरल के मुख्य कार्यालयों के साथ ही राज्य सभा और सीनेट कक्ष स्थित हैं।

पाकिस्तान ने भारत पर लगाए आरोप तो भड़क गया अफगानिस्तान, तालिबान ने खूब सुनाया

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें पाकिस्तान ने हालिया अफगान-पाक संघर्ष के पीछे भारत की भूमिका बताई थी। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री मोहम्मद याक़ूब ने कहा कि पाकिस्तान के आरोप बेबुनियाद, अवैज्ञानिक और अस्वीकार्य हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अफगानिस्तान भारत के साथ अपने संबंधों को राष्ट्रीय हितों के दायरे में और मजबूत करना चाहता है। उन्होंने कहा, ये आरोप निराधार हैं। हमारी नीति कभी भी किसी अन्य देश के खिलाफ हमारी भूमि के उपयोग की अनुमति नहीं देती। हम भारत के साथ स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में संबंध बनाए रखते हैं और अपने राष्ट्रीय हितों के तहत इन्हें और मजबूत करेंगे। तालिबान संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे याक़ूब ने अल जीजरा से बात करते हुए यह भी कहा कि पाकिस्तान के साथ शांति बनाए रखने के लिए आपसी सम्मान और समझौते के प्रति प्रतिबद्धता जरूरी है। उन्होंने कहा कि कतर और तुर्की को दोनों देशों के बीच हुए समझौते के पालन की निगरानी करनी चाहिए। 11 अक्टूबर को हुए काबुल विस्फोटों के कुछ दिन बाद

अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर हिंसा भड़क उठी। ये धमाके उस समय हुए थे जब तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत की ऐतिहासिक यात्रा पर थे। इसके बाद तालिबान बलों ने दक्षिणी सीमा पर जवाबी कार्रवाई की, जिसमें कई पाकिस्तानी ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान का आरोप है कि तालिबान सरकार आतंकवादी संगठनों, खासकर टीटीपी (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) को शरण दे रही है और वे अफगान भूमि से पाकिस्तान पर हमले कर रहे हैं। वहीं, तालिबान सरकार का कहना है कि पाकिस्तान की आक्रामक कार्रवाई और हवाई हमले ही मौजूदा तनाव की असली वजह हैं। इस संघर्ष से दोनों देशों के सीमावर्ती इलाकों में नागरिक प्रभावित हुए हैं। तोरखम और चमन बॉर्डर बंद होने से व्यापार और लोगों की आवाजाही ठप है।

पाकिस्तान का भारत पर आरोप

इस्लामाबाद ने हाल के दिनों में भारत पर भी आरोप लगाए हैं कि काबुल में तालिबान सरकार भारत की गोद में बैठी है और पाकिस्तान के खिलाफ भारत का प्रॉक्सी युद्ध लड़ रही है। भारत ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज करते हुए कहा कि यह पाकिस्तान की पुरानी आदत है कि वह अपनी असफलताओं के लिए पड़ोसियों को दोष देता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, तीन बातें साफ हैं। पहली यह कि पाकिस्तान आतंकवादी संगठनों को शरण देता है और आतंकवाद को प्रोत्साहन देता है। दूसरी, अपनी आंतरिक नाकामियों के लिए दूसरों को दोष देना उसकी पुरानी आदत है। और तीसरी, पाकिस्तान इस बात से नाराज है कि अफगानिस्तान अब अपनी संप्रभुता का इस्तेमाल खुद कर रहा है।

सऊदी अरब ने खत्म किया कफाला सिस्टम? प्रवासी श्रमिकों को बड़ा तोहफा

दुबई, एजेंसी। सऊदी अरब में अब पहले के मुताबिक जॉब करना आसान हो गया है क्योंकि इस देश ने गुलामी की जंजीर कही जाने वाली दशकों पुरानी कफाला सिस्टम का अंत कर दिया है। यह लेबर स्पॉन्सरशिप सिस्टम था, जिसके तहत लाखों विदेशी कामगारों के जीवन और अधिकारों को नियंत्रित किया जाता था। जून 2025 में घोषित यह निर्णय अब प्रभावी हो गया है। यह प्रवासी कल्याण और श्रम अधिकारों में सुधार की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस सुधार से लगभग 1.3 करोड़ प्रवासी कामगारों को लाभ होने की उम्मीद है, जिनमें से अधिकांश दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया से हैं।

इनमें भारतीयों की भी बड़ी संख्या है।

कफाला सिस्टम क्या? : कफाला, अरबी भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ प्रायोजन यानी स्पॉन्सरशिप होता है। यह शब्द खाड़ी देशों में जीवन के एक तरीके को उजागर करता है। इसके तहत कोई भी विदेशी कामगार या श्रमिक वहां किसी नियोक्ता के स्पॉन्सरशिप पर ही काम कर सकता था। इस सिस्टम में नियोक्ताओं का अपने कर्मचारियों पर लगभग पूरा कंट्रोल होता है। कर्मचारी अपने स्पॉन्सरशिप की इजाजत के बिना न तो नौकरी बदल सकते हैं, न देश छोड़ सकते हैं, या यहां तक कि उसे कोई कानूनी मदद भी नहीं मिल सकती है। यह एक तरह से गुलामी की जंजीर थी।

1950 के दशक से ही चला आ रहा : यह सिस्टम 1950 के दशक से ही चला आ रहा है। सऊदी अरब के अलावा यह कतर, कुवैत, जॉर्डन जैसे देशों में बहुत प्रचलित सिस्टम है। कफाला सिस्टम मूल रूप से तेल-समृद्ध खाड़ी अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण के लिए आवश्यक सस्ते विदेशी श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और उसका प्रबंधन करने के लिए डिजाइन किया गया था। इस प्रणाली के अनुसार, प्रत्येक प्रवासी श्रमिक एक स्थानीय प्रायोजक, जिसे कफ़ील कहा जाता था, से बंधा होता था, जो उनके निवास, रोजगार और कानूनी स्थिति पर अधिकार रखता था।

श्रमिकों के शोषण का जरिया था ये सिस्टम : शुरुआत में यह सिस्टम प्रवासी श्रमिकों की मदद के लिए लाया गया था ताकि विदेशी जमीं पर उनके रहमे-सहने, खाने-पीने का इंतजाम उसके स्पॉन्सर करें लेकिन बाद में यह सिस्टम श्रमिकों के शोषण का जरिया बन गया।

वेस्ट बैंक में बसे इस्राइली नागरिकों ने फलस्तीनी किसानों को पीटा, जैतून की फसल को लेकर हुआ विवाद

गाजा, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष विराम के बाद बेशक गाजा में शांति हो गई है, लेकिन अभी भी नफरत और तनाव का माहौल बरकरार है। हाल ही में फलस्तीन के वेस्ट बैंक इलाके में जब कुछ फलस्तीनी किसान जैतून की फसल देखने पहुंचे तो वहां इस्राइली कैंपों में रहने वाली इस्राइली नागरिकों ने कथित तौर पर उन पर हमला किया। इस हमले में एक महिला गंभीर रूप से घायल हुई है और अन्य लोगों को भी चोट आई है।

वेस्ट बैंक के इस इलाके में अक्सर होती हैं हिंसक झड़पें : वेस्ट बैंक के जिस इलाके तुर्मुस अय्या में ये झड़प हुई, वह पश्चिमी तट पर स्थित इस्राइली कब्जे वाला इलाका है। इस इलाके में फलस्तीनी किसान कथित तौर पर अपनी जैतून की फसल काटने पहुंचे थे, लेकिन इस्राइली नागरिकों ने उन पर हमला कर दिया। हमले में घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत गंभीर है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है।

जैतून फसल कटाई के मौसम में ज्यादा होती हैं हिंसक घटनाएं : फलस्तीनियों का कहना है कि इस क्षेत्र में हिंसा बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार समूहों ने जैतून की फसल कटाई के मौसम की शुरुआत और फलस्तीनी किसानों के बढ़ते जोखिम को देखते हुए चिंता जताई है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में दिख रहा है कि, एक नकाबपोश व्यक्ति जैतून के बाग में दौड़ता हुआ और कम से कम दो लोगों को डंडे से पीटते हुए दिखाई दे रहा है, जिनमें एक महिला भी शामिल है, जो जमीन पर बेसुध पड़ी है। नकाबपोश व्यक्ति यहूदियों के एक पारंपरिक झालरदार वस्त्र, त्जित्जित पहने हुए दिख रहा है। रामल्लाह स्थित फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि महिला को गंभीर चोटों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वेस्ट बैंक के पश्चिमी तट पर इस्राइल का कब्जा : तुर्मुस अय्या, जिसकी आबादी मुख्यत फलस्तीनी है। यह इलाका लंबे समय से इस्राइल के बसने वाले लोगों के हमलों का निशाना रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस्राइल-हमास युद्ध के दौरान हिंसा और भी बदतर हो गई। तुर्मुस अय्या एक घाटी में बसा है जिसके चारों ओर इस्राइली बस्तियां और चौकियां हैं। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि 2025 की पहली छमाही में इस्राइली नागरिकों के हमलों की 757 घटनाएं हुईं।

वाइट हाउस में दीप जलाकर ट्रंप ने मनाई दीपावली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की और दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों और पाकिस्तान की स्थिति पर चर्चा की। यह बातचीत दीपावली के अवसर पर हुई, जब ट्रंप ने वाइट हाउस में दीप जलाकर भारतीय समुदाय को शुभकामनाएं दीं। ट्रंप ने कहा, मैं भारत के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज ही मैंने आपके प्रधानमंत्री से बात की है। बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने व्यापार पर चर्चा की। वो इस पर बहुत रुचि रखते हैं। हमने पाकिस्तान के साथ युद्ध न होने की बात भी की। यह बहुत अच्छी बात रही। वो एक शानदार व्यक्ति हैं और सालों से मेरे अच्छे मित्र रहे हैं। इस दौरान ट्रंप ने यह भी बताया कि उन्होंने भारत पर 25% नया टैरिफ (शुल्क) लगाया है, जो रूसी तेल की खरीदारी को लेकर लगाया गया है। इस वर्ष

अब तक भारत पर कुल अमेरिकी आयात शुल्क 50% तक पहुंच चुका है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक वार्ताएं फिलहाल जारी हैं।

चीन के साथ व्यापारिक विवाद पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा, एक नवंबर से चीन पर करीब 155% शुल्क लगाया जाएगा। यह उनके लिए टिकाऊ नहीं है। मैं चीन के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहता हूं, लेकिन उन्होंने हमें कई सालों तक नुकसान पहुंचाया है, क्योंकि हमारे पूर्व राष्ट्रपति व्यावसायिक दृष्टि से इतने समझदार नहीं थे। ट्रंप ने मध्य पूर्व शांति प्रक्रिया पर भी बात की और दावा किया कि उनके कार्यकाल में दुनिया के कई हिस्सों में शांति स्थापित हुई। उन्होंने कहा, हम पूरी दुनिया में शांति स्थापित कर रहे हैं। कई देश अब एक-दूसरे के साथ आ गए हैं। हाल ही में मुझे मध्य पूर्व से कॉल आई। हम वहां बहुत अच्छा कर रहे हैं। कई देशों ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जो पहले असंभव माना जाता था। हमास पर टिप्पणी करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह समूह काफी हिंसक है, लेकिन अमेरिका स्थिति को नियंत्रित कर सकता है। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने शांति समझौते का पालन नहीं किया, तो उन्हें बहुत जल्दी संभाल लिया जाएगा। अब मध्य पूर्व में पूरी तरह शांति है। जो देश पहले एक-दूसरे के दुश्मन थे अब मित्र बन चुके हैं।

रूस से तेल खरीद पर भी दिया बयान : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैं भारत के लोगों से प्यार करता हूं। हम अपने देशों के बीच कुछ बेहतरीन समझौतों पर काम कर रहे हैं। मैंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की और हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। वह रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेंगे। वह भी मेरी तरह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को खत्म होते देखना चाहते हैं। वे बहुत ज्यादा तेल खरीदने नहीं जा रहे हैं। इसलिए उन्होंने इसमें काफी कटौती कर दी है, और वे इसमें लगातार कटौती करते जा रहे हैं।

हम पूरी दुनिया में शांति स्थापित कर रहे-ट्रंप: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा, हम पूरी दुनिया में शांति स्थापित कर रहे हैं... हम सभी को साथ लेकर चल रहे हैं। मुझे अभी मध्य पूर्व से फ़ोन आया है। हम वहाँ बहुत अच्छा कर रहे हैं। कई देशों ने मध्य पूर्व में शांति के लिए समझौता किया है, और किसी ने नहीं सोचा था कि वे कभी ऐसा होते देखेंगे। हमास की स्थिति, वे बहुत हिंसक लोग हैं। हम इसे दो मिनट में सुलझा सकते हैं। हम उन्हें एक मौका दे रहे हैं। उन्होंने सहमति जताई थी कि वे बहुत अच्छे और सीधे रहेंगे। वे लोगों की हत्या नहीं करेंगे। अगर वे समझौते का सम्मान नहीं करते हैं, तो उनका बहुत जल्दी निपटारा कर दिया जाएगा। मध्य पूर्व में पूर्ण शांति है; हम सभी के साथ मित्रता के स्तर पर हैं। हर देश जो एक-दूसरे से नफरत करता था, अब एक-दूसरे से प्यार करता है।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम को दो विकेट से हराया

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने यहां हुए दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भी भारतीय टीम को 2 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। इससे पहले पर्थ में हुए पहले एकदिवसीय में भी भारतीय टीम सात विकेट से हार गयी थे।

दूसरे एकदिवसीय मैच में मेजबान टीम की जीत में एडम जंपा और जेवियर बार्टलेट की अच्छी गेंदबाजी के बाद मैथ्यू शॉर्ट और कूपर कोनोली के लगाये अर्धशतकों की भी अहम भूमिका रही। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबानों को 265 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसे ऑस्ट्रेलिया ने शॉर्ट के 74 रनों और कोनोली के नाबाद 61 रनों की सहायता से 46.2 ओवर में ही आठ विकेट खोकर हासिल कर लिया। शॉर्ट की मैट रेनशॉ 30 तथा कोनोली के साथ 55 रन की साझेदारियां हुई। कोनोली ने इसके बाद मिचेल ओवेन 36 के के साथ 59 रन जोड़े। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की सहायता से 9 विकेट के नुकसान पर 264 रन बनाए। मेजबान टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान शुभमन गिल 9 रनों पर ही आउट हो गये। उसके बाद अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गये। रोहित ने 73 रन की अच्छी पारी खेली, इस दौरान उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 7 चौके व 2 छक्के लगाए। वहीं अय्यर ने 77 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली जिसमें 7 चौके शामिल थे। केएल राहुल ने 11 जबकि सुंदर ने 12 रन बनाये। हर्षित राणा ने नाबाद 24 और अर्शदीप सिंह ने 13 रन बनाये।

वहीं वापसी करने वाले कंगारु लेग स्पिनर जंपा ने 60 रन देकर चार विकेट लिए जबकि बार्टलेट ने 39 रन देकर तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे ऑस्ट्रेलिया ने अच्छी शुरुआत की। ट्रेविस हेड 28 और कप्तान मिचेल मार्श 11 ने सात ओवर में 26 रन जोड़े। अर्शदीप ने मार्श को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। हेड राणा की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद शॉर्ट और कूपर ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलायी।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में पाक को हराया, स्पिनर हार्मर ने बनाया रिकार्ड

रावलपिंडी (एजेंसी)। स्पिनर साइमन हार्मर की शानदार गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट मैच में 8 विकेट से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ 1-1 से ड्रॉ पर समापत की है। हार्मर ने दूसरे टेस्ट में 6 विकेट अपने 1,000 प्रथम श्रेणी विकेट पूरे किये हैं। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले दक्षिण अफ्रीका के चौथे गेंदबाज हैं। इस मैच के चौथे दिन पाकिस्तान की टीम अपनी दूसरी पारी में केवल 138 रन बना सकी और दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 68 रनों का आसान सा लक्ष्य मिला

जिसे दक्षिण अफ्रीका ने 12.3 ओवर में ही दो विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। रयान रिकेल्टन ने 29 गेंदों में नाबाद 25 रन और कप्तान एडन मार्करम ने 45 गेंदों पर 42 रन की शानदार पारी खेली। इस तरह दक्षिण अफ्रीका ने आठ विकेट से जीत दर्ज करते हुए सीरीज 1-1 से बराबर कर दी।

हार्मर के छह विकेटों से पाकिस्तान की टीम दूसरी पारी में केवल 138 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके साथ ही इस गेंदबाज ने अपने करियर का 1,000वां प्रथम श्रेणी विकेट लिया। अब वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले दक्षिण अफ्रीका के चौथे गेंदबाज बन गये हैं। इससे पहले बक लेवेलिन ने 1,013 विकेट, माइक प्रॉक्टर ने 1,417 विकेट और एलन डोनाल्ड ने 1,216 विकेट लिए थे। वहीं विश्व में यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह 217वें गेंदबाज हैं। वहीं इंग्लैंड के विल्फ्रेड रोड्स के नाम प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सबसे अधिक 4,204 विकेट का रिकॉर्ड दर्ज है।

स्मृति मंधाना ने वर्ल्ड कप 2025 में ठोका अपना पहला शतक, छक्कों के मामले में दिग्गजों को पछाड़ कर बनाया ये रिकॉर्ड

मुम्बई (एजेंसी)। स्मृति मंधाना ने न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे वर्ल्ड कप 2025 मुकाबले में नया कीर्तिमान बनाया है। वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका बल्ला जमकर चला है और वह एक धाकड़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने में कामयाब रही हैं। तूफानी बल्लेबाजी करते हुए मंधाना ने 14वां वनडे सैकड़ा जमा दिया।

स्मृति मंधाना ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की है। उन्होंने 2025 में महिला वनडे क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा छक्के मारने का वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया है। ये उपलब्धि उन्होंने मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी में हासिल की।

स्मृति मंधाना ने ये रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के खिलाफ 16वें ओवर की चौथी गेंद पर अमेलिया केर को छक्का मारकर बनाया। इस छक्के के साथ उन्होंने 2025 में कुल 29 छक्के पूरे किए जो कि महिला वनडे क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका की लिजेल ली के नाम था, जिन्होंने 2017 में 28 छक्के मारे थे।

इस मैच में स्मृति मंधाना ने 109 रन की बेहतरीन पारी खेली, जो उनका 14वां वनडे शतक था, इस दौरान उन्होंने 95 गेंदों का सामना किया। मंधाना ने 10 चौके और 4 छक्के जमाए। इस पारी के साथ उन्होंने महिला वनडे क्रिकेट में ओपनर के रूप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी तोड़ा। उन्होंने न्यूजीलैंड की सुजी बेट्स को पछाड़ते हुए ये उपलब्धि हासिल की।

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बना दिया ये बड़ा रिकॉर्ड

एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारत के सुपरस्टार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे मैचों में 1000 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बनकर इतिहास रच दिया है। रोहित ने एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में यह उपलब्धि हासिल की। उनके साथ विराट कोहली भी हैं, जो वर्तमान में 802 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने की दौड़ में हैं।

हिटमैन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनकी धरती पर 21 मैचों में 56.36 की औसत और 89.32 के स्ट्राइक रेट से 1071 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 171* रहा है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 97 गेंदों में 7 चौकों और दो छक्कों की मदद से 73 रनों की शानदार पारी खेली। उनका स्ट्राइक रेट 75.26 का था। उनकी पारी का सबसे खास पल मिशेल ओवेन के खिलाफ लगाए गए दो बड़े पुल शॉट थे, जिन्हें स्टैंड में छक्के के लिए भेजा गया।

रोहित ने अब तक 275 वनडे और 267 पारियों में 48.69 की औसत से 11,249 रन बनाए हैं, जिसमें 32 शतक और 59 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 रहा है। शर्मा पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को भी पीछे छोड़कर वनडे में भारत के तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने गांगुली को पीछे छोड़ दिया है जिन्होंने 308 मैचों में 40.95 की औसत से 22 शतक और 71 अर्द्धशतकों के साथ 11,121 रन बनाए थे।

रोहित ने 2022 के बाद से 19 बार पचास से अधिक का स्कोर बनाया है और यह केवल दूसरा ऐसा मौका था जब उन्होंने 100 से कम स्ट्राइक रेट से 50 रन का मील का पत्थर हासिल किया। आखिरी बार उन्होंने 2023 में घरेलू मैदान पर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 66 गेंदों में 50 रन बनाए थे। इस साल वनडे में रोहित ने 10 पारियों में 38.30 की औसत से 383 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 119 रहा है।

एशियाई युवा खेल : रंजना ने पैदल चाल स्पर्धा में रजत पदक जीता

रिफा (बहरीन) । भारतीय युवा एथलीट रंजना यादव ने यहां एशियाई युवा खेलों में लड़कियों की 5,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। इस भारतीय खिलाड़ी ने 23 मिनट 25.88 सेकेंड के समय से दूसरा स्थान हासिल किया जबकि चीन की लियू शियी 24 :15.27 सेकेंड के समय से उनसे आगे पहले स्थान पर रहीं। कोरिया की जियोंग चायेओन ने 25 :26.93 सेकेंड के समय से कांस्य पदक जीता। एशियाई युवा खेलों में एथलेटिक्स में यह भारत का पहला पदक था। इससे देश के कुल पदकों की संख्या दो रजत और चार कांस्य हो गई। भारत ने अभी तक कुराश में एक रजत और दो कांस्य के अलावा ताइक्वांडो में दो कांस्य पदक जीते हैं।

विराट के नाम दर्ज हुआ ये अनचाहा रिकार्ड : पहली बार लगातार दो एकदिवसीय मैच में खाता नहीं खोल पाये

एडिलेड । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में भी अपना खाता नहीं खोल पाये। इसी के साथ ही विराट के नाम एक अनचाहा रिकार्ड भी जुड़ गया। विराट पहली बार किसी एकदिवसीय सीरीज में लगातार दूसरी बार खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौटे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विराट के नाम 27 हजार से ज्यादा रन और 82 शतक हैं। इस मैच में भी आसफल होने से अब विराट पर दबाव बढ़ गया है। अगर वह तीसरे एकदिवसीय में भी असफल रहे तो उनका करियर समाप्त होना तय है। यहां दूसरे एकदिवसीय में विराट जेवियर बार्टलेट का शिकार बने। बार्टलेट ने ही कप्तान शुभमन गिल को भी आउट किया। कप्तान शुभमन गिल का टॉस हारने का सिलसिला इस मैच में भी जारी रहा। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम की ओर से रोहित और शुभमन ने पारी की धीमी शुरुआत की। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों नें भारतीय टीम को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया।

आरसीबी जा सकते हैं सैमसन

नई दिल्ली । आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के 2026 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) जाने की अटकलें लगायी जा रही हैं। आईपीएल 2025 सत्र में भी रॉयल्स की कप्तानी अधिकतर समय रियान पराग ने की थी और ऐसे में सैमसन का दबदबा टीम पर कम हुआ है। उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा है। जिससे भी रॉयल्स से उनके रिश्ते अब पहले जैसे नहीं रहे। पिछले कुछ समय से इस प्रकार की रिपोर्ट आ रही हैं किव संजू किसी अन्य टीम में जा सकते हैं। वहीं अब सैमसन की एक एक तस्वीर सोशल मीडिया में आई है। इसमें वह आरसीबी के थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट गैब्रियल के साथ नजर आ रहे हैं। जिससे उनके आरसीबी की ओर जाने की अटकलें तेज हो गयी हैं। इस तस्वीर में गैब्रियल आरसीबी की जर्सी में हैं, जबकि सैमसन ने टीम इंडिया की ट्रेनिंग किट पहनी हुई है। ऐसे में प्रशंसकों को लग रहा है कि वे भले ही ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी कर रहे हों, लेकिन आईपीएल भी उनके दिमाग में चल रहा होगा। रॉयल्स के साथ सैमसन के संबंध पहले जैसे नहीं रहे हैं। इसके अलावा कोचिंग स्टाफ और प्रबंधन में भी बदलाव हुआ है ऐसे में सैमसन किसी और टीम से आईपीएल खेलने के प्रयास कर सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, आरआर के कप्तान सैमसन ने फ्रेंचाइजी से औपचारिक रूप से उन्हें ट्रेड करने या नीलामी में रिलीज करने की अपील की है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तैयारी करने के लिए रणजी ट्रॉफी खेलेंगे रवींद्र जडेजा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा शनिवार से शुरु हो रहे रणजी ट्रॉफी के अगले दौर में सौराष्ट्र के लिए खेलेंगे। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ (SCA) के एक अधिकारी ने क्रिकबज को बताया कि रवींद्र जडेजा के अगले मैच में खेलने की उम्मीद है। राणजी ट्रॉफी का दूसरा दौर 25 अक्टूबर से राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में शुरू होगा। पूर्व चैंपियन सौराष्ट्र अपने घरेलू मैदान पर से भिड़ेगी।

जडेजा को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारत की एकदिवसीय टीम में नहीं चुना गया। जडेजा ने सौराष्ट्र के लिए प्रथम श्रेणी मैच के लिए खुद को उपलब्ध बताया है ताकि वह अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए खुद को तैयार कर सकें। 36 वर्षीय जडेजा ने आखिरी बार पिछले सीजन में असम के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच खेला था। उन्होंने उस सीजन में दो मैच खेले थे और दिल्ली के खिलाफ अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के साथ प्लेयर ऑफ द मैच (38 रन, 66 रन पर पांच विकेट और 38 रन पर सात विकेट) बने थे।

जडेजा ने सौराष्ट्र के लिए कुल 47 रणजी मैचों में 57.60 की औसत से 3,456 रन बनाए हैं और 21.25 की औसत से 208 विकेट लिए हैं। सीजन के अपने पहले मैच में सौराष्ट्र ने कर्नाटक को पहली पारी में मामूली बढ़त दिलाकर हराया था, जिसमें धर्मेंद्र जडेजा प्रमुख खिलाड़ी साबित हुए थे। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने पहली पारी में 124 रन देकर 7 विकेट सहित कुल 10 विकेट लिए थे। सौराष्ट्र की कमान भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के हाथों में है। दो बार की पूर्व चैंपियन टीम पिछले सीजन में गुजरात से हारने से पहले क्वार्टर फ़ाइनल तक पहुंची थी।

सौराष्ट्र टीम

हार्विक देसाई (विकेटकीपर), तरंग गोहेल, रवींद्र जडेजा, युवराजसिंह डोडिया, सम्मर गज्जर, अर्पित वासवदा, चिराग जानी, प्रेरक मांकड़, जयदेव उनादकट (कप्तान), धर्मेंद्रसिंह जड़ेजा, चेतन सकारिया, अंश गोसाई, जय गोहिल, पार्थ भूत, केविन जीवराजानी, हेतविक कोटक और अंकुर पंवार।

बीसीसीआई ने सरफराज को टीम में जगह न मिलने का कारण फर्म और फिटनेस में कमी को बताया

मुम्बई । बल्लेबाज सरफराज खान को घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम में जगह नहीं मिलने के बाद से ही कई सवाल उठ रहे हैं। इस मामले को लेकर कुछ लोगों ने चयन समिति पर पर भी पक्षपात का आरोप लगाया है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सरफराज के मामले में लगाये जा रहे आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि फिटनेस और फार्म के कारण उनके नाम पर विचार नहीं हुआ। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा है कि सरफराज को प्रदर्शन में कमी या पक्षपात की वजह से बाहर नहीं रखा गया है, बल्कि फिटनेस और फॉर्म इसका कारण है। सरफराज फिट नहीं होने की वजह से काफी समय तक बाहर थे। हाल ही में उन्होंने वापसी करते हुए रणजी ट्रॉफी के पहला दौर खेला। काफी लंबे समय से उन्होंने सिर्फ यही एक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला। अब चयनकर्ता मौजूदा रणजी सत्र में उनके फॉर्म की समीक्षा कर आने वाले मैचों में उनके नाम पर विचार करेंगे। सरफराज इससे पहले चोट की वजह से दलीप ट्रॉफी और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज नहीं खेल पाये थे हालांकि उन्होंने चोटिल होने से पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ कैंटरबरी में अर्धशतक लगाया था। वहीं चोट से वापसी के बाद उन्होंने कुछ दिन पहले ही रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए 74 रन की अच्छी पारी खेली थी।

पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए घोषित की टीम

-बाबर-नसीम और समद की वापसी

लाहौर । पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू टी20 सीरीज के लिए टीम घोषित कर दी है। टीम में पूर्व कप्तान बाबर आजम, तेज गेंदबाज नसीम शाह और बल्लेबाज अब्दुल समद की वापसी हुई है। आजम और नसीम पिछले साल दिसंबर से ही टी20 प्रारूप से बाहर चल रहे थे। पाक और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज 28 अक्टूबर से एक नवंबर तक रावलपिंडी और लाहौर में होगी। इसके अलावा पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच चार से आठ नवंबर तक फैसलाबाद के इकबाल स्टेडियम में होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय सीरी के लिए भी टीम घोषित कर दी गयी है। एकदिवसीय टीम में फैसल अकरम, हारिस राऊफ और हसीबुल्लाह की वापसी हुई है। वहीं 11 से 15 नवंबर तक रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। नसीम और बाबर पाकिस्तान की एकदिवसीय टीम में भी शामिल रहे हैं। चयनकर्ताओं ने अनुभवी सलामी बल्लेबाज फखर जमां और स्पिनर सुफयान मुकीम को टीम में जगह नहीं दी है। विकेटकीपर बल्लेबाज उस्मान खान को भी टीम में जगह मिली है लेकिन मुहम्मद हारिस टी20 टीम से बाहर हो गए हैं। स्पिनर उस्मान तारिक टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी हैं!

टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम – सलमान अली आगा (कप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, हसन नवाज, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

रिजर्व : फखर जमां, हारिस राऊफ, सुफियान मोकिम

एकदिवसीय टीम – शाहीन शाह अफरीदी (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फैसल अकरम, फखर जमां, हारिस राऊफ, हसीबुल्लाह, हसन नवाज, हुसैन तलत, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, सईम अयूब, सलमान अली आगा।

डब्ल्यूपीएल नीलामी अगले माह के अंत में होने की संभावना

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2026 सत्र के लिए नीलामी अगले माह नई दिल्ली में होने की संभावना है। अभी तक हालांकि फ्रेंचाइजियों को नीलामी की जानकारी नहीं मिली है पर माना जा रहा है कि शीघ्र ही उन्हें इस बारे में बता दिया जाएगा। नीलामी की तारीख अभी तय नहीं हुई है पर इसके 26-27 नवंबर होने की अटकलें हैं। वहीं इससे पहले, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने संकेत दिया था कि नीलामी 26 से 29 नवंबर के बीच होगी। इसके अलावा सभी टीमों को संभावित स्थल के बारे में संकेत दे दिये गये हैं।

डब्ल्यूपीएल में अभी केवल पांच टीमें हैं और अधिकतम 18 खिलाड़ियों की टीम है, इसलिए इस प्रक्रिया में ज्यादा समय लगने की संभावना नहीं है। ऐसे नीलामी एक ही दिन में पूर हो जाएगी। इसके साथ ही फ्रेंचाइजी को 5 नवंबर तक अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जमा करने के लिए कहा गया है।

सभी टीमें पांच खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं। अगर कोई टीम सभी पांच खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उसे पहले खिलाड़ी के लिए 3.5 करोड़ रुपये, दूसरे खिलाड़ी के लिए 2.5 करोड़ रुपये, तीसरे खिलाड़ी के लिए 1.75 करोड़ रुपये, चौथे खिलाड़ी के लिए 1 करोड़ रुपये और पांचवें खिलाड़ी के लिए 50 लाख रुपये का नुकसान उठाना होगा। नीलामी के लिए खिलाड़ियों की कुल राशि 15 करोड़ रुपये रखी गयी है और पांच खिलाड़ियों को बरकरार रखने पर एक टीम को 9.25 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे।

बीसीसीआई ने कहा है कि यह दिशानिर्देश वेतन सीमा के लिए हैं और किसी खिलाड़ी को दी जाने वाली राशि टीमों के अनुसार अलग भी हो सकती है। बीसीसीआई ने हाल ही में फ्रेंचाइजी को लिखे एक नोट में कहा, हालांकि किसी खिलाड़ी को दी जाने वाली राशि दिशानिर्देश मूल्य से अलग हो सकती है पर रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या के आधार पर कुल राशि का उपयोग वेतन सीमा की गणना के लिए किया जाएगा।

एक अनकैप्ड (गैर अनुभवी) खिलाड़ी को रिटेन करने की दिशानिर्देश मूल्य 50 लाख रुपये है, और हर टीम अधिक से अधिक दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है। इसके अलावा, एक फ्रेंचाइज़ी अधिकतम तीन गैर अनुभवी खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती है और रिटेंशन सूची में अधिक से अधिक दो विदेशी खिलाड़ी हो सकते हैं।

बीसीसीआई ने पांच राइट टू मैच (आरटीएम) विकल्पों को मंजूरी दी है पर अगर किसी फ्रेंचाइजी के लिए उपलब्ध आरटीएम की संख्या रिटेन किए गए खिलाड़ियों की संख्या पर निर्भर करेगी। प्रत्येक रिटेन किए गए खिलाड़ी के लिए, फ्रेंचाइजी का एक आरटीएम विकल्प कम हो जाएगा।

पंजाब किंग्स ने नया स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया, पूर्व भारतीय क्रिकेटर को मौका

चंडीगढ । इंडियन प्रीमियर लीग टीम पंजाब किंग्स ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर साईराज बहुतुले को लीग के अगले सत्र के लिए अपना नया स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। भारत के लिए दो टेस्ट और आठ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले 52 साल के बहुतुले सुनील जोशी की जगह लेंगे जो 2023 से यह भूमिका निभा रहे थे। बहुतुले प्रथम श्रेणी के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी और बेहद सम्मानित कोच हैं। इससे पहले बहुतुले केरल, गुजरात, विदर्भ और बंगाल जैसी घरेलू टीम के अलावा आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के साथ कोचिंग की भूमिका निभा चुके हैं। पंजाब किंग्स के सीईओ सतीश मेनन ने बहुतुले का स्वागत करते हुए कहा, 'हम वर्षों से पंजाब किंग्स के प्रति समर्पित सेवा और योगदान के लिए सुनील जोशी का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। आगे बढ़ते हुए हम अपने कोचिंग स्टाफ में साईराज बहुतुले का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं।' पंजाब किंग्स की टीम पिछले सत्र में उप विजेता रही थी।

महेश बाबू ने फिल्म जटाधारा का ट्रेलर लॉन्च किया

सोनाक्षी धन पिशाचनी तो शिल्पा शिरोडकर बनीं लालची औरत

महेश बाबू ने फिल्म जटाधारा का ट्रेलर लॉन्च किया है। इसमें सोनाक्षी सिन्हा, सुधीर बाबू, दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर अहम भूमिका में हैं। भूत-पिशाच, काला जादू और लालच से भरी ये फिल्म 7 नवंबर को रिलीज होगी। तेलुगू एक्टर महेश बाबू ने अपकमिंग फिल्म जटाधारा का ट्रेलर डिजिटली लॉन्च किया। वेंकट कल्याण की डायरेक्टेड इस थ्रिलर मूवी में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में हैं। वहीं, दिव्या खोसला और शिल्पा शिरोडकर भी अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म के ट्रेलर की बात करें तो वो दर्शकों एक अलग दुनिया से रूबरू करवाता है। साथ ही एक ऐसी कहानी की झलक मिलती है जहां काला जादू एक शक्तिशाली शक्ति है। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा धन पिशाचिनी का किरदार निभा रही हैं, जो सोने के आभूषणों से लदी हुई हैं। मूवी की कहानी भी पिशाचिनी की इर्द-गिर्द धूमती है, जो सदियों से एक सोने के खजाने की रखवाली करती है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, खजाने की खोज से शुरू हुआ सफर खतरों, श्रापों से भरे एक सफल में बदल जाता है। शिल्पा शिरोडकर एक लालची महिला के रूप में नजर आती हैं तो सुधीर बाबू भूत-प्रेत में भरोसा न करने वाले किरदार को निभाते दिखते हैं। घोस्ट हंटर बनकर वह सोनाक्षी के किरदार से पंगा ले लेते हैं। फिर जो होता है वो फिल्म के रिलीज पर ही पता चलेगा।

फिल्म जटाधारा की रिलीज डेट

डायरेक्टर ने इस फिल्म के जरिए पुरानी परंपराओं को दिखाने का प्रयास किया है। जटाधारा जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म के निर्माता उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा हैं, जबकि अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा सह-निर्माता हैं। टीम में क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भाविनी गोस्वामी भी शामिल हैं। संगीत और साउंडस्केप जी म्यूजिक कंपनी द्वारा क्यूरेट किया गया है।

मैडॉक के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में अनीत पड्डा की एंट्री

यशराज फिल्म्स की सैयारा में अनीत पड्डा ने लीड रोल अदा किया। इस फिल्म ने उनके करियर को बुलंदी पर पहुंचा दिया है। अब उनकी एंट्री मैडॉक फिल्म्स के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में हो गई है। दरअसल, आज मैडॉक की थामा थिएटर्स में रिलीज हो गई है। फिल्म के आखिर में मैडॉक के हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म शक्ति शालिनी का अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया गया। फिल्म में अनीत पड्डा लीड रोल अदा करेंगी।
मैडॉक फिल्म्स ने थामा की स्क्रीनिंग के दौरान शक्ति शालिनी का आधिकारिक अनाउंसमेंट वीडियो शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट बताई है। साथ ही साफ कर दिया कि फिल्म में सैयारा फेम अनीत पड्डा लीड रोल करेंगी। पहली फिल्म में कियारा आडवाणी यह रोल अदा करने वाली थीं। मगर, अब अनीत की झोली में यह किरदार आ गिरा है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म शक्ति शालिनी अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अनाउंसमेंट वीडियो में दी गई जानकारी के मुताबिक यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। साझा किए गए वीडियो में या देवी सर्वभूतेषु मंत्र सुनाई दे रहा है। इसके साथ स्क्रीन पर लिखा है, रक्षक, विध्वंसक, सभी की मां। आगे लिखा है, शक्ति शालिनी में अनीत पड्डा।

अनीत के फैंस ने जताई खुशी

शक्ति शालिनी में अनीत पड्डा की एंट्री पर उनके फैंस काफी खुश हैं। नेटिजन्स अनीत को बधाई दे रहे हैं। साथ ही लिख रहे हैं, उम्मीद है कि यह फिल्म शानदार साबित होगी। बात करें फिल्म थामा की तो इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सरपोतदार ने किया है। इसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी जैसे सितारे हैं।

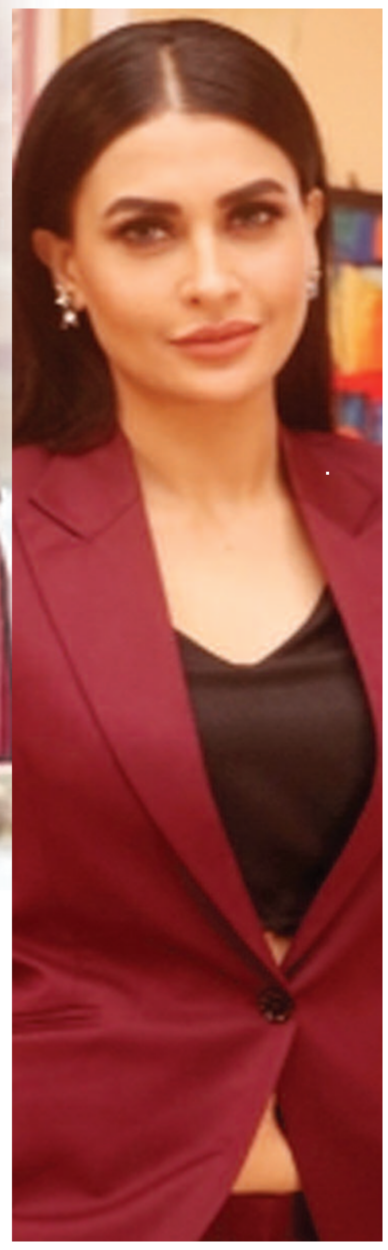

अभिनेत्री पवित्रा पुनिया को फिर मिला प्यार!

लव यू जिंदगी और बालवीर रिटर्न्स जैसे धारावाहिकों में बेहतरीन अभिनय करने वाली अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने हाल ही में बताया है कि उन्हें फिर से प्यार मिल गया है। वह इस साल अपने नए परिवार के साथ दिवाली मना रही हैं। सितंबर 2024 में अभिनेत्री का अभिनेता एजाज खान से ब्रेकअप हो गया था। पुनिया का नया साथी मनोरंजन जगत से नहीं है। दोनों पिछले कुछ समय से एक-दूसरे के साथ हैं।

पवित्रा को फिर से मिला प्यार

पुनिया ने अपने रिश्ते की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हां, मुझे फिर से प्यार मिल गया है और इस साल दिवाली मेरे लिए और भी खास है क्योंकि मैं इसे अपने नए परिवार के साथ मना रही हूं। इससे पहले वह अपने परिवार के साथ भारत में दिवाली मनाती थीं।

अमेरिकी कारोबारी हैं पवित्रा के पार्टनर

39 साल की अभिनेत्री ने बताया कि उनके पार्टनर अमेरिका में रहते हैं और वह कारोबारी हैं। उन्होंने बताया वह अमेरिका के एक बिजनेसमैन हैं, कोई एक्टर नहीं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं और दयालु हैं। हम पिछले कुछ समय से एक-दूसरे के साथ अच्छे रिश्ते में हैं। हमें यह सही लगता है।

विदेश में साथ रहना चाहती हैं पवित्रा

अपने रिश्ते के बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए पुनिया ने कहा अपने माता-पिता और प्रियजनों के आस-पास न होना, घर को न सजाना, साथ में पूजा न करना अजीब लगेगा। हालांकि मैं अपने जीवन के इस नए चरण को लेकर बहुत उत्साहित हूं। यह एक बड़ा बदलाव है और मैं खुले दिल से इसे अपना रही हूं। पवित्रा पुनिया ने अपने परिवार से दूर दिवाली मनाने के बारे मिलीजुली प्रतिक्रिया दी।

दिल्ली क्राइम 3 में अपने रोल पर बोलीं हुमा कुरैशी

शेफाली शाह की अदाकारी वाली मशहूर सीरीज दिल्ली क्राइन 3 का टीजर रिलीज हो गया है। इसके साथ यह भी एलान हो गया है कि यह सीरीज कब रिलीज होगी। इस बार इसमें नया खुलासा होने वाला है। इस सीजन में मेकर्स ने कई नए चेहरों को भी जोड़ा है। तनुज चोपड़ा ने दिल्ली क्राइम सीजन 3 का निर्देशन किया है। इसमें रसिका दुग्गल (नीति सिंह के रूप में), राजेश तैलंग (भूपेंद्र सिंह के रूप में), जया भट्टाचार्य (विमला भारद्वाज के रूप में) और अनुराग अरोड़ा (जयराज सिंह के रूप में) भी हैं। कलाकारों में हुमा कुरेशी, सयानी गुप्ता, मीता वशिष्ठ, केली दोरजी और अंशुमान पुष्कर शामिल हैं। सीरीज 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

हुमा कुरैशी को पसंद आया अपना रोल

मीना के रूप में फ्रैंचाइजी में शामिल होने वाली हुमा कुरैशी ने कहा मीना जैसी एक नकारात्मक भूमिका निभाना एक शक्तिशाली लेकिन बेचैन करने वाला अनुभव था। वह आघात से ग्रस्त है, फिर भी उसका नियंत्रण बहुत ज्यादा है। वह एक ऐसी महिला है जो पीड़ित और अपराधी दोनों है। दिल्ली क्राइम की ईमानदारी मुझे आकर्षित करती है। यह कभी भी महिमामंडन या सनसनीखेज नहीं बनाती। यह हमें उन असहज सच्चाइयों का सामना करने के लिए मजबूर करती है जो अक्सर साफ नजर आती हैं।

दिल्ली क्राइम के सभी सीजन के बारे में

आपको बता दें कि दिल्ली क्राइम सीरीज एक वेब सीरीज है। इस सीरीज के दो सीजन पहले ही रिलीज हो चुके हैं। पहला सीजन 2019 में रिलीज हुआ था। यह 2012 के दिल्ली गैंग रेप पर आधारित था। दूसरा सीजन 2022 में रिलीज हुआ था, जो कि चड्ढी बनियान गैंग पर आधारित था। इसका तीसरा सीजन मानव तस्करी पर आधारित होगा।

फर्जी 2 के लिए शाहिद कपूर को मिली 40 करोड़ की फीस?

साल 2023 में शाहिद कपूर ने ब्लैक कॉमेडी क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज फर्जी से ओटीटी पर डेब्यू किया था। द फैमिली मैन फेम राज और डीके के डायरेक्शन में बनी इस सीरीज ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इसे फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड्स में 10 नॉमिनेशन मिले थे। जबकि ऑरमैक्स के मुताबिक, यह उस साल की सबसे अधिक देखी जाने वाली वेब सीरीज थी, जिसे 37 मिलियन दर्शकों ने देखा था। अब खबर है कि मेकर्स ने फर्जी सीजन 2 की तैयारी शुरू कर दी है। कहानी लिखी जा रही है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू हो जाएगी। लेकिन सबसे बड़ा दावा फर्जी 2 में शाहिद कपूर की फीस को लेकर किया जा रहा है। बताया जाता है कि एक्टर को उनके करियर का अब तक की सबसे अधिक फीस ऑफर की गई है।
फर्जी 2 की सुगबुगाहट के साथ ही कई तरह के कयास भी लगने शुरू हो गए हैं। पहले सीजन में शाहिद कपूर के साथ विजय सेतुपति, के के मेनन, राशि खन्ना और भुवन अरोड़ा नजर आए थे। नकली नोट के गोरखधंधे पर बनी इस सीरीज में एक बार फिर से इन कलाकारों की वापसी के संकेत हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि शाहिद इस शो के लिए 40 करोड़ रुपये की फीस ले रहे हैं। जी हां, यह वाकई चौंकाने वाली रकम है, क्योंकि आम तौर पर वह एक फिल्म के लिए कथित तौर पर वह 25 से 30 करोड़ रुपये की फीस लेते हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, शाहिद कपूर अगले साल जनवरी 2026 से फर्जी सीजन 2 की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। अभी सीरीज की कहानी लिखी जा रही है।

अब स्टार पावर पहले जैसी नहीं रही

ओटीटी के कारण यह बदलाव आया है

करीब एक दशक बाद गीता बसरा ने पंजाबी 'मेहर' के साथ कमबैक किया है। फिल्मों तक ही सीमित न रहकर वह अब अपने पति और क्रिकेटर हरभजन सिंह के साथ टॉक शो की होस्टिंग भी कर रही हैं। हाल ही में अपने कई की नई पारी को लेकर गीता बसरा ने बातचीत की।

आपकी कमबैक पंजाबी फिल्म 'मेहर' को ऑडियंस से प्यार मिला, लेकिन बॉक्स ऑफिस के आंकड़े उतने अच्छे नहीं रहे। इसे लेकर आप कैसा महसूस कर रही हैं?

लोगों ने फिल्म को बहुत प्यार दिया। यह एक पारिवारिक फिल्म है, जिसमें इमोशन, रोमांस और ड्रामा सब कुछ है। बॉक्स ऑफिस के आंकड़े दर्शकों के प्यार के बराबर नहीं थे। दरअसल, हम फिल्म को उस समय रिलीज कर रहे थे जब पंजाब में माहौल ठीक नहीं था। हमें पता था कि यह सही समय नहीं था। लेकिन मेरी नजर में फिल्म शानदार थी। मेरे कमबैक के लिए इससे बेहतर मौका नहीं हो सकता था।

आप इंडस्ट्री में लगभग एक दशक से हैं। क्या आपने जान-बूझकर कम काम करने का फैसला किया था?

ये चॉइस का मामला नहीं था, जिंदगी के अलग-अलग चैप्टर्स होते हैं। कभी-कभी कुछ चीजें ज्यादा अहम होती हैं। मेरे लिए मेरी फैमिली सबसे पहले थी। मेरे बच्चे छोटे थे। शादी के बाद मेरा ध्यान परिवार पर था। अब जब बच्चे बड़े हो गए हैं, तो मुझे अपने लिए ज्यादा वक्त मिलता है। अब मैं अपने जुनून के लिए काम कर रही हूं, इस प्रोसेस का मजा ले रही हूं। मैं सिर्फ आंकड़ों का पीछा नहीं कर रही। वैसे शादी से पहले फिल्म इंडस्ट्री महिलाओं के लिए सपोर्टिव नहीं थी लेकिन मैं मानती हूं, जो हुआ अच्छा हुआ।

अब आप हरभजन सिंह के साथ टॉक शो की मेजबानी कर रही हैं। यह अनुभव कैसा है?

शो होस्ट करना मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव है। मुझे यह काम बहुत पसंद आ रहा है। यह पूरी तरह से नेचुरल है। हमारे शो में रिश्तों पर बातचीत है, प्यार-हंसी सब कुछ है। यह सब कुछ बिल्कुल नेचुरल है। माना एक्टिंग हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगी, लेकिन होस्टिंग से मैं अलग तरीके से ऑडियंस से जुड़ पाती हूं। इस शो में ऐसे पल भी हैं, जो लोग आमतौर पर पर्दे पर नहीं देखते हैं। यह टॉक शो मजेदार है, कभी-कभी थोड़ा मसालेदार भी है।

क्या एक्ट्रेस को इंडस्ट्री में मेल एक्टर्स की तुलना में ज्यादा आलोचना का सामना करना पड़ता है?

ऐसा नहीं है कि एक्ट्रेसेस को मेल एक्टर्स से ज्यादा आलोचना मिलती है। अगर लोग पसंद करेंगे तो तारीफ करेंगे, नहीं तो आलोचना करेंगे ही। इससे फर्क नहीं पड़ता है कि आप एक्ट्रेस हैं या एक्टर। आज नियम बदल गए हैं। अब स्टार पावर पहले जैसी नहीं रही, निर्माता भी इस दबाव को महसूस करते हैं। वुमन सेंट्रिक कहानियां अब ज्यादातर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हैं। ओटीटी के कारण यह बदलाव आया है।

खुद को कैसे इंस्पायर करती हैं?

सोच सबसे अहम है। जब आप जिंदगी में खुश होते हैं, तो इंस्पिरेशन अपने अच्छे काम से मिलती है। परिवार को गर्व महसूस कराने से मिलती है। मुझे दूसरों की राय की परवाह नहीं है। मैं बस काम करना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि मेरी बेटी यह सीखे कि महिलाएं शादी और मां बनने के अलावा भी जिंदगी में सपने देख सकती हैं। मैं अपनी विरासत के रूप में यही बात छोड़कर जाना चाहती हूं।

आपने प्रियंका चोपड़ा को बतौर आइडल खूब सराहा है

प्रियंका पूरी तरह से सेल्फ मेड हैं। उन्होंने सब कुछ अपने दम पर हासिल किया। ना किसी की मदद ली, ना किसी तरह का शॉर्टकट अपनाया। पर्दे के पीछे वह कॉन्फिडेंस से भरी हैं। बहुत जमीन से जुड़ी इंसान हैं। वह दूसरों को भी आगे बढ़ने में मदद करती हैं। मैंने उन्हें कई बार देखा है। वह कभी इनसिक्योर नहीं रहीं। यही एक आइडल की पहचान है। मैं चाहती हूं कि मेरी बेटी भी इसी तरह खुद पर विश्वास करे और सबकुछ हासिल करे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।